RNI No. : TNHIN/2013/5252 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 184 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 30-01-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 खेलरत्न के लिए बारंबार अनदेखी लेकिन पद्मश्री ने सारे मलाल दूर किए : सविता

6 हिंसा के दौर में गांधी के सिद्धांतों की प्रासंगिकता

7 वरुण धवन की एक्टिंग की कायल हुई खुशबू पाटनी

फर्स्ट टेक

बांग्लादेश ने 23 भारतीय मछुआरों को वापस भेजा

नई दिल्ली/भाषा। बांग्लादेश ने बृहस्पतिवार को 23 भारतीय मछुआरों को वापस भेज दिया, जबकि भारत ने 128 बांग्लादेशी मछुआरों को रिहा किया। भारत द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, मछुआरों और उनकी नौकाओं के पारस्परिक आदान-प्रदान की व्यवस्था दोनों देशों के मछली पकड़ने वाले समुदायों की मानवीय और आजीविका संबंधी चिंताओं को ध्यान में रखते हुए की गई है। इसमें कहा गया है, अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा को अनजाने में पार करने वाले भारतीय मछुआरों को हाल ही में बांग्लादेश के अधिकारियों द्वारा गिरफ्तार किया गया था। इसी तरह बांग्लादेश के मछुआरों को भी भारतीय अधिकारियों द्वारा पकड़ा गया था। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, दोनों सरकारों ने आज सभी 23 भारतीय मछुआरों और 128 बांग्लादेशी मछुआरों को उनके नौकाओं सहित सफलतापूर्वक रिहा कर स्वदेश वापस भेज दिया।

थाईलैंड में वायुसेना का प्रशिक्षण विमान दुर्घटनाग्रस्त, दो पायलटों की मौत

बैंकाक/एपी। थाईलैंड के उत्तरी शहर चियांग माई में एक प्रशिक्षण मिशन के दौरान विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से बृहस्पतिवार को वायुसेना के दो पायलटों की मौत हो गई। सेना ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता एयर मार्शल जैक्रिट थम्माविचाई ने बताया कि एटी-6टीएच वूल्वरिन हल्का हमलावर और टोही विमान चियांग माई हवाई अड्डे से लगभग 60 किलोमीटर दूर चोम थोंग जिले में एक सैन्य प्रशिक्षण क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दो सीट वाले विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों की जांच की जा रही है।

भारत-ईयू समझौते के मद्देनजर पाकिस्तान यूरोपीय संघ के संपर्क में

इस्लामाबाद/भाषा। भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते के कारण पाकिस्तान अपने निर्यात पर पड़ने वाले प्रभावों से निपटने के लिए यूरोपीय अधिकारियों से लगातार संपर्क में है। पाक विदेश विभाग के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। पाकिस्तानी विदेश विभाग के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने प्रेस वार्ता में कहा कि वे इस समझौते और उसके विवरण से अच्छी तरह अवगत हैं। व्यापारिक समुदाय में यह चिंता जताई जा रही है कि यह समझौता पाकिस्तान के निर्यात को प्रभावित कर सकता है, खासकर यूरोपीय बाजार में प्रतिस्पर्धा के मामले में। भारत और यूरोपीय संघ ने मंगलवार को इस समझौते पर बातचीत पूरी होने की घोषणा की। इस समझौते को इसी साल हस्ताक्षरित और लागू किया जाएगा।

30-01-2026 सूर्यास्त 6:08 बजे | 31-01-2026 सूर्योदय 6:35 बजे

BSE	NSE
82,566.37	25,418.90
(+221.69)	(+76.15)

सोना	चांदी
18,721 रु.	395,857 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आत्मावलोकन

अपनी जड़ताओं को,
ऊँची टाँक कर तो देखो।
भीतर की गंदगी को,
थोड़ा ढाँक कर तो देखो।
अपनी कमजोरी को,
जरा आँक कर तो देखो।
बस एक बार गिरेबां में,
अपने झाँक कर तो देखो।।

दुनिया के लिए आशा की किरण बनकर उभर रहा है भारत : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ वर्तमान समय व्यवधान उत्पन्न करने का नहीं, बल्कि समाधान खोजने का है।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत दुनिया के लिए आशा की किरण बनकर उभर रहा है। साथ ही उन्होंने यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का उल्लेख करते हुए कहा कि यह महत्वाकांक्षी भारत के लिए है और देश के विनिर्माताओं को इस अवसर का लाभ उठाकर अपनी क्षमताएं बढ़ानी चाहिए।

संसद के बजट सत्र के दूसरे दिन, मीडिया को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने सुधारों के क्रियान्वयन में संसद सदस्यों के सकारात्मक योगदान के लिए उनका आभार व्यक्त किया। मोदी ने कहा कि उनके आलोचक भी सरकार की अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने की प्रतिबद्धता को स्वीकार करते हैं और सुधारों की यह परंपरा अगली पीढ़ी के सुधारों के साथ भी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और जनसांख्यिकी दुनिया के लिए बड़ी उम्मीद प्रदान करती है।

प्रधानमंत्री ने कहा, लोकतंत्र के इस मंदिर में भारत के पास शक्ति, लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्धता और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं से लिए गए फैसलों के लिए सम्मान का संदेश देने अवसर है... संदेशों को वैश्विक स्तर पर स्वीकार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय व्यवधान उत्पन्न करने का नहीं, बल्कि समाधान खोजने का है। उन्होंने कहा कि यह बजट सत्र 21वीं सदी के पहले चतुर्थांश के समापन और अगले चतुर्थांश की शुरुआत का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री ने पाखंड से भरा हुआ 'देश के नाम संदेश' दिया : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद के हर सत्र की तरह इस बार भी पाखंड से भरा देश के नाम संदेश दिया है। प्रधानमंत्री के बयान के बाद महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, वह (प्रधानमंत्री) राष्ट्रीय मुद्दों पर विपक्ष को विश्वास में लेने के लिए न तो सर्वदलीय बैठकों को बुलाएंगे और न ही उनकी अध्यक्षता करेंगे। वह आख़िरी समय में विधेयक पेश कराएंगे और आवश्यक विधायी जांच-पड़ताल के बिना उन्हें संसद में बुलडोजर से पास करवा लेंगे। उन्होंने कहा, ''वह संसद में बैठकर विपक्षी नेताओं की चिंताओं का जवाब देने के बजाय दोनों सदनों में चुनावी रैली जैसे भाषण देंगे।

कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव का विधानसभा में बयान

सरकारी चिकित्सक निजी अस्पतालों में भर्ती मरीजों का इलाज नहीं कर सकते

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकारी चिकित्सकों को निजी अस्पतालों में भर्ती मरीजों का इलाज करने से सख्ती से प्रतिबंधित किया गया है।

मंत्री ने कहा कि सरकारी चिकित्सकों को अपने नियमित सरकारी कर्तव्यों को पूरा करने के बाद निजी क्लीनिकों अथवा अस्पतालों के केवल बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) में ही सेवा देने की अनुमति है।

राव ने कहा कि सरकारी चिकित्सकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इससे स्वास्थ्य क्षेत्र में नियमित सरकारी कार्य बाधित न हों। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों को निजी अस्पतालों में इस तरह की अपनी सेवा के बारे में पूरी जानकारी सरकार को देनी होगी। इन शर्तों का उल्लंघन करने पर संबंधित चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

ऊर्जा मंत्री ने इस्तीफे की खबरों को खारिज किया

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के ऊर्जा मंत्री के. जे. जॉर्ज ने बृहस्पतिवार को उनके इस्तीफे की खबरों को खारिज करते हुए विधानसभा को बताया कि ये खबरें सच्चाई से कोसों दूर हैं। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के करीबी माने जाने वाले मंत्री ने यह भी कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री पर पूरा भरोसा है और वह उनका समर्थन करते हैं। खबरों में मुख्यमंत्री कार्यालय और सिद्दरामय्या के बेटे, कांग्रेस एमएलसी यतींद्र सिद्दरामय्या द्वारा जॉर्ज के विभाग और चिक्कमंगलुरु जिले के मामलों में कथित हस्तक्षेप का उल्लेख किया गया था।

कर्नाटक में पुलिसकर्मियों को जन्मदिन और सालगिरह पर छुट्टी दी जाएगी

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों को अब उनके जन्मदिन तथा शादी की सालगिरह पर छुट्टी दी जाएगी, जिससे उन्हें परिवार के साथ बेहतर समय बिताने और जीवन को संतुलित बनाए रखने में मदद मिलेगी। कर्नाटक के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) एम.ए. सलीम द्वारा बृहस्पतिवार को जारी एक परिपत्र के जरिये यह कदम उठाया गया है। परिपत्र के अनुसार, जन सुरक्षा और प्रभावी कानून प्रवर्तन सुनिश्चित करने के मकसद से चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में काम करने वाले पुलिसकर्मियों के लिए जन्मदिन तथा शादी की सालगिरह जैसे विशेष अवसरों को मनाना जरूरी है।

क्रिकेट

भारत बनाम न्यूज़ीलैंड के फाइनल टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच से पहले गुरुवारको जसप्रीत बुमराह (बाएं), अर्शदीप सिंह और अन्य भारतीय खिलाड़ी तिरुवनंतपुरम पहुंचते हुए।

भारत के विकास में अंतरिक्ष क्षेत्र की होगी अहम भूमिका : जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि आने वाले समय में भारत की अर्थव्यवस्था के विकास में अंतरिक्ष क्षेत्र की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी।

प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि विदेशी उपग्रहों के प्रक्षेपण से मिलने वाला राजस्व लगातार बढ़ा है। उन्होंने बताया कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा अब तक प्रक्षेपित किए गए 434 विदेशी उपग्रहों में से 399 उपग्रहों का प्रक्षेपण 2014 के बाद किया गया, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कार्यभार संभाला।

सिंह ने कहा, इसके परिणामस्वरूप भारत ने अब तक 32.3 करोड़ यूरो और 23.3 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आय अर्जित की है। इसलिए संक्षेप में यह कहा जा सकता है कि आने वाले समय में भारत की आर्थिक वृद्धि में अंतरिक्ष क्षेत्र की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका होगी। यह ऐसा क्षेत्र है, जो अब तक कुछ हद तक अछूता रहा है। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी क्षेत्र के लिए खोलना सरकार का एक क्रांतिकारी निर्णय रहा है, जिसका श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को जाता है, जिन्होंने अतीत की कई वर्जनाओं को तोड़ा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, आज भारतीय अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था 8.4 अरब अमेरिकी डॉलर की है। अगले 10 वर्षों में इसके चार से पांच गुना बढ़कर 40-45 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। पहले हम एकल अंक वाले स्टार्टअप थे, जबकि आज हमारी संख्या 399 तक पहुंच गई है।

जातिगत भेदभाव की परिभाषा से संबंधित

यूजीसी के नियम पर उच्चतम न्यायालय ने लगाई रोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शीर्ष अदालत ने मौखिक रूप से टिप्पणी की कि अगर इस मामले में हस्तक्षेप नहीं किया गया तो इसका खतरनाक प्रभाव पड़ेगा और समाज में विभाजन पैदा होगा।

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को विश्वविद्यालय परिसर में जाति आधारित भेदभाव को रोकने से संबंधित हालिया यूजीसी समानता विनियमन पर रोक लगा दी और कहा कि ये विनियम प्रथम दृष्टया ''अस्पष्ट'' प्रतीत होते हैं और इनका ''दुरुपयोग'' किए जाने की आशंका है। शीर्ष अदालत ने मौखिक रूप से टिप्पणी की कि अगर इस मामले में हस्तक्षेप नहीं किया गया तो इसका खतरनाक प्रभाव पड़ेगा और समाज में विभाजन पैदा होगा।

उच्चतम न्यायालय का यह आदेश उन विभिन्न याचिकाओं के बाद आया है जिनमें यह दलील दी गई थी कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने जाति-आधारित भेदभाव की ''गैर-समावेशी'' परिभाषा अपनाई है और कुछ श्रेणियों को संस्थागत संरक्षण से बाहर रखा है।

इन नियमों के खिलाफ देश में विभिन्न स्थानों पर विरोध प्रदर्शन हुए जिसमें छात्र समूहों और संगठनों ने इन्हें तत्काल वापस लेने की मांग की।

केंद्र और यूजीसी को नोटिस जारी करते हुए प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जे. बागची की पीठ ने सुझाव दिया कि प्रख्यात न्यायविदों की एक समिति द्वारा विनियमों पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। पीठ ने कहा, ''(केंद्र, यूजीसी को) नोटिस जारी करें और 19 मार्च तक जवाब दाखिल किए जाए। सॉलिसिटर जनरल नोटिस स्वीकार करें... तब तक यूजीसी विनियम 2026 स्थगित रहेंगे और 2012 के विनियम लागू रहेंगे।'' सुनवाई के दौरान पीठ ने टिप्पणी की, ''प्रथम दृष्टया यही प्रतीत होता है कि विनियमन की भाषा अस्पष्ट है। विशेषज्ञों को भाषा में संशोधन करने की आवश्यकता है ताकि इसका दुरुपयोग न हो सके।''

उच्च शिक्षण संस्थानों में भेदभाव संबंधी शिकायतों की जांच करने और समानता को बढ़ावा देने के लिए सभी संस्थानों द्वारा ''समानता समितियां'' गठित करने को अनिवार्य बनाने संबंधी नए नियम 13 जनवरी को अधिसूचित किए गए थे।

पंजाब में सीमा पार से तस्करी की कोशिश नाकाम

21 अत्याधुनिक पिस्तौलें और दो किलो हेरोइन जब्त

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ मिलकर फाजिल्का जिले में एक सीमा चौकी के पास सीमा पार से तस्करी की एक बड़ी साजिश को नाकाम करते हुए हथियारों, गोला-बारूद और मादक पदार्थों का जखीरा बरामद किया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि इस अभियान के दौरान 2.1 किलोग्राम हेरोइन और 21 अत्याधुनिक पिस्तौलें तथा गोला-बारूद बरामद किया गया। डीजीपी ने बताया कि इनमें 11 ग्लॉक पिस्तौल, 22 मैगजीन, एक बेरेटा पिस्तौल और एक मैगजीन, पांच जिगाना पिस्तौल और 10 मैगजीन, तीन नोरिन्को पिस्तौल और पांच मैगजीन, एक गफ्फार सिक्योरिटी पिस्तौल (एमपी-5 टाइप) और एक मैगजीन, तथा 310 कारतूस (नौ मिमी) शामिल थे। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि पाकिस्तान स्थित तस्करों ने रात के समय और घने कोहरे का फायदा उठाकर भारतीय क्षेत्र में हथियार और नशीले पदार्थ पहुंचाने के लिए सीमा पार की।

ईरान के मुद्दे पर संयम बरतें, बातचीत की गुंजाइश अब भी बनी हुई हैं : रूस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

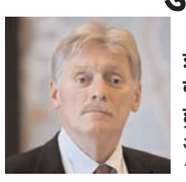

मॉस्को/भाषा। रूस ने बृहस्पतिवार को कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत की अब भी गुंजाइश है। साथ ही चेतावनी दी कि ईरान के खिलाफ किसी भी सैन्य कार्रवाई से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था अस्थिर होगी।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को सैन्य कार्रवाई की चेतावनी दी है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने ट्रंप के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ''हम सभी पक्षों से इस मुद्दे को सुलझाने में संयम बरतने और किसी भी प्रकार के बल प्रयोग का त्याग करने का आह्वान करते हैं।''

ट्रंप ने बुधवार को ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की चेतावनी देते हुए घोषणा की कि अमेरिकी सेना का 'विशाल बेड़ा' फारस की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि ईरान के लिए अपने परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने वाले समझौते पर सहमत होने के लिए ''समय समाप्त हो रहा है''।

पेस्कोव ने बृहस्पतिवार को चेतावनी देते हुए कहा, ''स्पष्ट रूप से, बातचीत की संभावनाएं अभी समाप्त नहीं हुई हैं। ऐसे में हमें सबसे पहले बातचीत के तंत्रों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। कोई भी सैन्य कार्रवाई क्षेत्र में अराजकता पैदा कर सकती है और इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं, जैसे कि पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था का अस्थिर होना।''

'भारत के व्यापक आर्थिक आधार मजबूत'

भारत ने वैश्विक चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया: सीतारमण

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत का व्यापक आर्थिक आधार 'पहले से कहीं अधिक मजबूत' है। उन्होंने कहा कि देश ने वैश्विक चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है, जिससे हमारी संभावित जीडीपी वृद्धि दर बढ़कर सात प्रतिशत हो गई है।

सीतारमण ने संसद में आर्थिक समीक्षा 2025-26 पेश करने के बाद, सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया कि भू-राजनीतिक विखंडन और आर्थिक उथल-पुथल से भरी इस दुनिया में भारत एक वैश्विक चमकते सितारे के रूप में खड़ा है - जो मजबूत, स्थिर और आगे बढ़ने वाला है।

वित्त मंत्री ने कहा, ''हमारे व्यापक आर्थिक आधार पहले से कहीं अधिक मजबूत हैं। हमने वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों का सफलतापूर्वक मुकाबला करते हुए भारत को उच्च वृद्धि पथ पर पहुंचाया है। हमने अपनी संभावित जीडीपी वृद्धि दर को सुधारकर सात प्रतिशत कर लिया है।''

आर्थिक समीक्षा के अनुसार, वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने मजबूत गति बनाए रखी है। इसमें अगले वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.8 से 7.2 प्रतिशत के दायरे में रहने का अनुमान लगाया गया है।

केआईएडीबी अधिकारी की 26.55 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक में वन विभाग में हाल ही में स्थानांतरित किए गए कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) के एक सहायक आयुक्त पर 26.55 करोड़ रुपये की संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। लोकायुक्त अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। लोकायुक्त अधिकारियों के मुताबिक, यह खुलासा तब हुआ, जब कर्नाटक लोकायुक्त पुलिस ने यहां के एक सरकारी अधिकारी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति की शिकायतों के संबंध में राज्य भर में पांच से अधिक स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया।

फिल्म महोत्सव

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने गुरुवार को बेंगलूरु के विधान सौधा परिसर में 17वें बेंगलूरु अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (बीआईएफएफईएस) का उद्घाटन किया। यह फिल्म महोत्सव 29 जनवरी से 6 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा।

आर्थिक समीक्षा : भारत 6.8 से 7.2% आर्थिक वृद्धि के साथ सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश बना रहेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश की आर्थिक वृद्धि दर अगले वित्त वर्ष में 6.8 से 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इससे साफ है कि व्यापार जोखिम और वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। संसद में बृहस्पतिवार को पेश आर्थिक समीक्षा में यह कहा गया।

हालांकि, अप्रैल से शुरू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए यह अनुमान मौजूदा वित्त वर्ष के 7.4 प्रतिशत के अनुमान से कम है। इसका मुख्य कारण उपभोग और निवेश में कमी है। देश की आर्थिक स्थिति को बयां करने वाली 2025-26 की समीक्षा में कहा गया, ''हाल के वर्षों में नीतिगत सुधारों के प्रभाव से अर्थव्यवस्था की मध्यम अवधि की वृद्धि क्षमता 6.5 से 6.8 प्रतिशत से बढ़कर सात प्रतिशत के करीब पहुंच गई है।''

''यही कारण है कि वैश्विक अनिश्चितता के बीच मजबूत वृद्धि का दृष्टिकोण बना हुआ है और इसके लिए सावधानी बरतने की आवश्यकता है, लेकिन निराशावादी होने की जरूरत नहीं है।''

चालू वर्ष के लिए 7.4 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान पिछले वर्ष की समीक्षा में अनुमानित 6.3 से 6.8 प्रतिशत की तुलना में अधिक है। लेकिन अगले वर्ष के लिए अनुमान से साफ है कि अमेरिका के साथ व्यापार तनाव के बावजूद भारत दुनिया में सबसे तेज आर्थिक वृद्धि दर हासिल करने वाला देश

बना रहेगा। भारत उन कुछ बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है जिसने अभी तक अमेरिका के साथ व्यापार समझौता नहीं किया है। अमेरिका ने भारत से निर्यात होने वाले सामान पर 50 प्रतिशत का उच्चतम शुल्क लगाया है। श्रम-प्रधान क्षेत्रों को प्रभावित करने वाले शुल्क के जवाब में, नरेन्द्र मोदी सरकार ने नीति और कर सुधारों की शुरुआत की है। इनमें जीएसटी दरों में कटौती, आयकर सीमा को बढ़ाना, कंपनियों पर अनुपालन बोझ कम करने के लिए श्रम कानूनों में संशोधन और मई, 2025 के बाद से चार मुक्त व्यापार समझौते शामिल हैं। इनमें यूरोपीय संघ के साथ एक बड़ा समझौता भी शामिल है। हालांकि महंगाई कम है, कंपनियों और परिवारों की बही-खाते बेहतर है और उपभोग मांग मजबूत बनी हुई है, पर अमेरिकी शुल्क के कारण रुपए में पिछले साल लगभग पांच प्रतिशत की गिरावट आई है और अब यह अपनी क्षमता से निचले स्तर पर है। समीक्षा में कहा गया, ''रुपए का मूल्यांकन भारत की मजबूत आर्थिक बुनियाद को सही रूप से प्रतिबिंबित नहीं करता है। हालांकि, रुपए के मूल्य में गिरावट 'भारतीय वस्तुओं पर उच्च अमेरिकी शुल्क के प्रभाव को कुछ हद तक कम करती है।' हालांकि, इसमें कहा गया है कि वृहद आर्थिक परिस्थितियां 'बाह्य झटकों' के प्रति मजबूती प्रदान करती हैं और वृद्धि की गति को बनाए रखने में सहायक हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का अनुमान है कि यदि उच्च शुल्क लागू रहता हैं तो आगामी वित्त वर्ष में 6.2 प्रतिशत की वृद्धि होगी।

आर्थिक समीक्षा में ऋग्वेद से लेकर रामायण तक के उद्धरणों का उल्लेख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसद में बृहस्पतिवार को पेश आर्थिक समीक्षा में ऋग्वेद से लेकर रामायण तक और मार्क टुली से लेकर व्लादिमीर लेनिन तक का उद्धरण दिया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट से पहले वित्त वर्ष 2025-26 की आर्थिक समीक्षा संसद के दोनों सदनों में पेश की। आर्थिक समीक्षा अगले वित्त वर्ष में अपनाई जाने वाली नीतिगत कार्रवाइयों की पृष्ठभूमि बयां करती है। कुल 739 पृष्ठों वाली आर्थिक समीक्षा में कई संदर्भों का उल्लेख किया गया है।

समीक्षा में ऋग्वेद के मंडल 10, सूक्त 191, श्लोक 2 का जिक्र किया गया है जो कहता है, ''मनुष्यों को मिलकर चलना चाहिए, एक साथ बोलना चाहिए। इससे राष्ट्र, समाज और परिवार की उन्नति होती है। आपस में मतभेद न हो....।'' समीक्षा के अनुसार, रामायण जटिल और प्रतिस्पर्धी परिस्थितियों में रणनीतिक शिक्षा के लिए एक मूल्यवान रूपक प्रदान करता है। आर्थिक समीक्षा के मुताबिक, ''युद्ध कांड में, रावण की पराजय का क्षण विवेक का पाठ बन जाता है, क्योंकि भगवान राम यह दर्शाते हैं कि शत्रुओं से भी उनके मूल्य या तौर-तरीके अपनाए बगैर अंतर्दृष्टि प्राप्त की जा सकती है।'' समीक्षा में उल्लेख किया गया है, ''यह सीख सूक्ष्म होते हुए भी शक्तिशाली है: सीखना स्वायत्तता के अनुकूल है। आज की विभाजित वैश्विक अर्थव्यवस्था में निर्भर हुए बगैर सीखने की क्षमता एक आवश्यक रणनीतिक कौशल बन जाती है।'' 'सामरिक मजबूती और सामरिक अपरिहार्यता का निर्माण: राज्य, निजी क्षेत्र और नागरिकों की भूमिका' नामक अध्याय में भगवद् गीता का भी एक उद्धरण है। गीता के दूसरे अध्याय के 47वां श्लोक कहता है, आपको केवल कर्म करने का अधिकार है, अपने श्रम के फल पर नहीं। अपने कर्म के फल को अपना मकसद न बनाएं, न ही अपने आप को निष्क्रियता में पड़ने दें।''

इसी तरह, आर्थिक समीक्षा के आयात प्रतिस्थापन पर केंद्रित एक अध्याय में चाणक्य का एक उद्धरण दिया गया है, जिसके मुताबिक, कल्याण का आधार धर्म है। धर्म का आधार आर्थिक शक्ति है। और आर्थिक शक्ति का आधार राज्य है। समीक्षा में भारत के सूचना का अधिकार कानून, 2005 की पुनर्समीक्षा का समर्थन करने के लिए ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर के एक कथन का हवाला दिया गया है।

चांदी वायदा चार लाख रुपए प्रति किलोग्राम के पार, सोना रिकॉर्ड 1.8 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर

नई दिल्ली/भाषा। चांदी की वायदा कीमतों में बृहस्पतिवार को तेजी जारी रही और यह छह प्रतिशत बढ़कर चार लाख रुपए प्रति किलोग्राम के पार पहुंच गई, जबकि सोने ने 1.8 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम का रिकॉर्ड उच्च स्तर छुआ, जो पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच वैश्विक बाजारों में रिकॉर्ड बढ़त के कारण संभव हुआ है।

लगातार पांचवें दिन बढ़त जारी रखते हुए, मार्च महीने में डिलिवरी वाले चांदी वायदा की कीमत 24,434 रुपए, या 6.34 प्रतिशत बढ़कर 4,09,800 रुपए प्रति किलोग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई।

पिछले पांच कारोबारी सत्रों में, चांदी 21 जनवरी को दर्ज 3,18,492 रुपए प्रति किलोग्राम (बंद कीमत) से 91,308 रुपए, या लगभग 29 प्रतिशत बढ़ी है। चांदी की कीमतों में बहुत तेज बढ़त रही है। चांदी सिर्फ आठ कारोबारी दिनों में तीन लाख रुपए से चार लाख रुपए तक पहुंच गई है।

इस साल, चांदी ने 74 प्रतिशत का शानदार लाभ दिया है। सोना वायदा भी इस तेजी में शामिल हो गया, फरवरी माह में डिलिवरी वाले अनुबंध की कीमत 14,864 रुपए, या लगभग नौ प्रतिशत बढ़कर 1,80,779 रुपए प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई। सोने के अप्रैल माह में डिलिवरी वाले अनुबंध की कीमत 15,943 रुपए, या नौ प्रतिशत बढ़कर 1,93,096 रुपए प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। ऑगमोंट की शोध प्रमुख, रेनीशा चैनानी ने कहा, ''सोने का 5,600 डॉलर (1,80,000 रुपए प्रति 10 ग्राम) से ऊपर जाना और चांदी का 4,00,000 रुपए प्रति किलोग्राम से ऊपर जाना अल्पकालिक सट्टेबाजी के बजाय बढ़ते वृहद और भू-राजनीतिक जोखिम प्रीमियम को दर्शाता है।''

अंतरराष्ट्रीय बाजार में, सर्राफा की कीमतों में उछाल और भी अधिक प्रभावशाली था, कॉमेक्स में सोने का वायदा पहली बार 5,600 डॉलर प्रति औंस के महत्वपूर्ण स्तर को पार कर गया। दिन के कारोबार में, अप्रैल डिलिवरी वाला सोना 286.6 डॉलर, यानी 5.4 प्रतिशत बढ़कर 5,626.8 डॉलर प्रति औंस के नए शिखर पर पहुंच गया। कॉमेक्स में चांदी वायदा भी विदेशी व्यापार में पहली बार 120 डॉलर प्रति औंस के निशान को पार कर गया। मार्च डिलिवरी वाली चांदी की कीमत 7.03 डॉलर यानी 6.2 प्रतिशत बढ़कर 120.56 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई।

परिजनों के विलाप और गमगीन माहौल के बीच पिंकी माली का अंतिम संस्कार

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के बारामती में हुए विमान हादसे में जान गंवाने वाली विमान परिचारिका पिंकी माली का अंतिम संस्कार बृहस्पतिवार को मध्य मुंबई के शिवाजी पार्क श्मशान घाट में कर दिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

इस दुर्घटना में पिंकी और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार सहित पांच लोगों की मौत हो गई थी।

पिंकी माली के पार्थिव शरीर को जब चिता पर रखा गया तो वहां मौजूद परिवार के सदस्य खुद को रोक नहीं पाए और उनके विलाप से माहौल और गमगीन हो गया।

इससे पहले माली के पार्थिव शरीर को एम्बुलेंस के जरिये बारामती से पड़ोसी शहर ठाणे के खारिगांव इलाके में लाया गया। पिंकी (29) की तीन साल पहले शादी हुई थी और वह गत चार महीनों से अपने पति के साथ इसी इलाके में रह रही थीं। अधिकारी ने बताया कि पिंकी के पार्थिव शरीर को मध्य मुंबई के प्रभादेवी स्थित उनके मायके ले जाया गया, जहां उन्होंने अपना बचपन बिताया था। पड़ोसियों और दोस्तों ने उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, पारदर्शी, निष्पक्ष एआई परिवेश के लिए काम करने की जरूरत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत के पास पैमाने और विविधता के साथ लोकतंत्र है, जिसके कारण दुनिया भारत के डिजिटल बुनियादी ढांचे पर भरोसा करती है।

मोदी ने डेटा सुरक्षा और प्रौद्योगिकी के लोकतंत्रीकरण के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी को एक पारदर्शी, निष्पक्ष और सुरक्षित कृत्रिम मेधा (एआई) परिवेश की दिशा में काम करना चाहिए। उन्होंने लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने आवास पर एआई क्षेत्र

गुरुवार को नई दिल्ली में मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंथा नागेश्वरन (मध्य) और अन्य अधिकारी आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 जारी करते हुए।

में कार्यरत सीईओ और विशेषज्ञों के साथ बातचीत में सभी क्षेत्रों में नई प्रौद्योगिकी को अपनाने और राष्ट्रीय विकास में योगदान देने के लिए इसका उपयोग करने की आवश्यकता बतायी। साथ ही प्रमुख क्षेत्रों में स्वदेशी प्रौद्योगिकी के उपयोग का आग्रह किया। प्रधानमंत्री कार्यालय के एक बयान के अनुसार, ''प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के पास पैमाने, विविधता और लोकतंत्र का अनूठा संयोजन है, जिसके कारण दुनिया भारत के डिजिटल बुनियादी ढांचे पर भरोसा करती है।'' 'सभी के लिए एआई' के अपने दृष्टिकोण के अनुरूप, उन्होंने कहा कि सभी को इस प्रौद्योगिकी के साथ प्रभाव पैदा करने के साथ-साथ दुनिया को प्रेरित करने की आवश्यकता है। उन्होंने मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) और विशेषज्ञों से आग्रह किया कि वे भारत को वैश्विक एआई प्रयासों के लिए एक प्रमुख केंद्र बनाएं। फरवरी में होने वाले आगामी 'इंडियाएआई इम्पैक्ट' शिखर सम्मेलन से पहले आयोजित इस बैठक का उद्देश्य रणनीतिक सहयोग को बढ़ावा देना, एआई नवोन्मेषों का प्रदर्शन करना और भारत के एआई मिशन के लक्ष्यों को गति देना था।

हर विधानसभा क्षेत्र में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल हो: मुख्यमंत्री नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा है कि राज्य के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को इनके निर्माण के लिए तत्काल कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

बुधवार देर रात जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री ने कहा कि जो प्रतिष्ठित अस्पताल प्रबंधन राज्य में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल स्थापित करने के इच्छुक हैं, उन्हें रियायतें दी जाएंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह सुविधा उन संस्थाओं को भी दी जाएगी, जो इन अस्पतालों की स्थापना और संचालन 'गैर-लाभकारी आधार' पर करेंगी। नायडू ने कहा, हर विधानसभा क्षेत्र में एक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल होना चाहिए। विधानसभा क्षेत्रों में मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पतालों के निर्माण के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं। स्वास्थ्य क्षेत्र की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को संजीवनी परियोजना का राज्यभर में विस्तार करने के निर्देश भी दिए। यह परियोजना लोगों के स्वास्थ्य रिकॉर्ड को डिजिटल रूप में दर्ज करने की व्यवस्था करती है।

संजीवनी परियोजना की शुरुआत पायलट आधार पर चित्तूर जिले में की गई थी, जिसके तहत लोगों के स्वास्थ्य से जुड़े विवरणों को दर्ज करने के अलावा उनकी निगरानी भी की जाती है। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख नायडू के अनुसार, संजीवनी परियोजना के तहत 70 लाख से अधिक लोगों की स्वास्थ्य जांच भी की जाएगी।

अजित पवार विमान दुर्घटना: 'लियरजेट 45' का ब्लैक बॉक्स बरामद

मुंबई/भाषा। नागर विमानन मंत्रालय ने कहा कि बुधवार को बारामती हवाई पट्टी के पास दुर्घटनाग्रस्त हुए 'लियरजेट 45' विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया गया है। ब्लैक बॉक्स एक छोटा उपकरण होता है जो विमान की उड़ान के दौरान सभी तकनीकी और उड़ान संबंधी जानकारी रिकॉर्ड करता है। यह विमान दुर्घटनाओं की जांच में अहम भूमिका निभाता है।

मंत्रालय ने कहा कि वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) द्वारा इस दुर्घटना की जांच तेजी से की जा रही है। इस हादसे में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और चार अन्य लोगों की मृत्यु हो गई थी। एएआईबी को 2,250 किलोग्राम या उससे अधिक कुल भार वाले विमानों और टर्बोजेट विमानों से जुड़ी सभी दुर्घटनाओं व गंभीर घटनाओं की जांच करने का अधिकार प्राप्त है। बुधवार को इसे इस दुर्घटना की जांच का निर्देश दिया गया था। नागर विमानन मंत्रालय ने पोस्ट में कहा, ''जांच तेजी से आगे बढ़ रही है और दुर्घटनाग्रस्त विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया गया है।''

गुजरात में कांग्रेस और सत्ताधारी भाजपा मिलकर करते हैं काम : भगवंत मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) के नेता भगवंत मान ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि गुजरात में कोई वास्तविक विपक्ष मौजूद नहीं है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस तथा सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस तरह काम कर रही है, जैसे कोई 'संयुक्त उद्यम'।

मान ने दावा किया कि एक पारंपरिक विपक्ष की कमी से राज्य के लोगों की आवाज दब गई है और इसने (कांग्रेस ने) एक ऐसा खालीपन छोड़ दिया है, जिसे अब आम आदमी पार्टी भर रही है। पश्चिमी भारत में 'आप' का प्रभाव बढ़ाने के लिए यहां आए पंजाब के मुख्यमंत्री ने यहां पत्रकारों से कहा, ''भाजपा पिछले 30 वर्षों से गुजरात में सत्ता में है, लेकिन उन्होंने क्या किया है? कुछ खास नहीं।'' मान ने दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों पर एक-दूसरे को चुनौती देने के बजाय यथास्थिति बनाए रखने के लिए मिलकर काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया, ''यहां कांग्रेस पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। कभी-कभी यह बताना मुश्किल हो जाता है कि यह कांग्रेस है या भाजपा... ऐसा लगता है जैसे दोनों मिलकर कोई संयुक्त उद्यम चला रहे हैं।'' उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने विसावदर विधानसभा उपचुनाव के दौरान विशेष रूप से भाजपा को लाभ पहुंचाने के लिए एक उम्मीदवार को मैदान में उतारा था। मान ने कहा कि इसके बावजूद, आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार गोपाल इटालिया ने काफी बड़े अंतर से सीट जीत ली। उन्होंने कहा, ''यहां विपक्ष कभी सरकार पर सवाल नहीं उठाता। यह पहला राज्य है जहां मैंने दोनों (राजनीतिक) दलों को एक साथ देखा है।'' पंजाब के मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात में कोई वास्तविक विपक्ष नहीं है, इसलिए लोग आम आदमी पार्टी पर भरोसा दिखा रहे हैं, क्योंकि यह उनके मुद्दों को उठाती है।

बारामती विमान हादसे की जांच समयबद्ध तरीके से की जाएगी : केंद्रीय मंत्री नायडू

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार हवाई सुरक्षा से जुड़े मुद्दों के प्रति 'कतई बर्दाश्त नहीं' करने की नीति अपनाती है और महाराष्ट्र के बारामती में हुए विमान हादसे की जांच समयबद्ध तरीके से की जाएगी।

महाराष्ट्र के पुणे जिले में स्थित बारामती हवाई अड्डे के नजदीक बुधवार सुबह हुए विमान हादसे में राज्य के उप मुख्यमंत्री अजित पवार और चार अन्य लोगों की मौत हो गई थी।

नायडू ने 'विंग्स इंडिया 2026' से इतर संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) और नागरिक उड्डयन महानिदेशक (डीजीसीए) घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं और दुर्घटनाग्रस्त विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया गया है। उन्होंने कहा, ''ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया गया है और जांच जारी है। इस बार हम रिपोर्ट को शीघ्रता से पूरा करने के लिए सख्त समयसीमा का पालन करेंगे।''

नायडू ने घटनास्थल पर दमकल कर्मियों की अनुपस्थिति के सवाल पर कहा कि हवाई पट्टी का उपयोग मुख्य रूप से उड़ान प्रशिक्षण संगठनों द्वारा किया जाता है। उन्होंने कहा कि वहां पर फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन (एफटीओ) के लिए आवश्यक सभी सुविधाएं मौजूद हैं, और हवाई पट्टी वाणिज्यिक विमानन के लिए नहीं, बल्कि गैर-अनुसूचित ऑपरेटर परमिट (एनएसओपी) के तहत संचालित होती है।

पूरे राजकीय सम्मान के साथ अजित पवार का अंतिम संस्कार किया गया, अमित शाह और नितिन नवीन हुए शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बारामती/भाषा। महाराष्ट्र के पुणे जिले के बारामती में शोकाकुल लोगों ने बृहस्पतिवार को अपने प्रिय नेता उपमुख्यमंत्री अजित पवार को अंतिम विदाई दी। पवार का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया।

अंतिम विदाई के लिए आए लोगों से खचाखच भरे बारामती के विद्या प्रतिष्ठान मैदान में पवार के बेटों पार्थ और जय ने चिता को मुखाग्नि दी। उनकी पत्नी एवं राज्यसभा सदस्य सुनेत्रा अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाईं, उनकी आंखों से आंसुओं का सैलाब उमड़ पड़ा और हर ओर ''अजित दादा अमर रहे'' के नारे गूंज रहे थे।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी, मुरलीधर मोहोल, पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार (जो अजित पवार के चाचा हैं) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष नितिन नवीन 66 वर्षीय राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी इस दौरान बारामती के विद्या प्रतिष्ठान मैदान में उपस्थित थे। बारामती पवार परिवार का

गृहनगर है, जो पुणे से 100 किलोमीटर दूर है। अजित पवार के अंतिम संस्कार के लिए हजारों लोग एकत्रित हुए और जब उनके पार्थिव शरीर को राष्ट्रीय ध्वज में लपेटकर उनके गांव काटेवाडी से विद्या प्रतिष्ठान के मैदान में लाया गया तो लोगों ने ''अजित दादा अमर रहे'' के नारे लगाए।

सुनेत्रा पवार जब अपने दिवंगत पति को श्रद्धांजलि दे रही थीं तो बारामती से राकांपा (शरदचंद्र पवार) की लोकसभा सदस्य एवं उनकी चचेरी बहन सुप्रिया सुले अपनी चाची (सुनेत्रा पवार) के साथ खड़ी और उन्हें सांत्वना देती दिखीं। इस दौरान राकांपा के कार्यकारी अध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रफुल्ल पटेल भी उपस्थित थे।

लाउडस्पीकर पर घोषणाओं में लोगों से शांत रहने, अनुशासन बनाए रखने और अपनी सीट पर बैठे-बैठे ही दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि देने का आग्रह करते हुए कहा गया कि यही अजित पवार को सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होगी, जो अपने सख्त अनुशासन के लिए जाने जाते थे।

चिता को मुखाग्नि दिए जाते समय राकांपा (शप) प्रमुख शरद पवार मौन बैठे दिखे। उनके छोटे भाई प्रतापराव पवार भी वहां मौजूद थे।

शाह, गडकरी, नवीन, फडणवीस, केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, एकनाथ शिंदे, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुशील कुमार शिंदे और आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश सहित कई नेताओं ने पवार के पार्थिव देह पर पुष्पचक्र अर्पित की। अजित पवार के छोटे भाई श्रीनिवास पवार, बहनें और चचेरे भाई अभिजीत पवार सहित परिवार के अन्य सदस्यों ने भी अपने दिवंगत भाई को श्रद्धांजलि अर्पित की।

पूर्व मुख्यमंत्री सुशील कुमार शिंदे और अशोक चव्हाण, कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष हर्षवर्द्धन सपकाल, पार्टी नेता माणिकराव ठाकरे और अभिनेता रितेश देशमुख ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इससे पहले, शिवसेना (उबाठा) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने काटेवाडी स्थित अजित पवार के आवास पर पुष्पांजलि अर्पित की।

अजित पवार के निधन से रिक्त हुए स्थान की जल्द भरपाई संभव नहीं : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के असामयिक निधन से राज्य की राजनीति में ऐसा शून्य उत्पन्न हो गया है, जिसे जल्द भर पाना संभव नहीं होगा। शाह ने बारामती में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख अजित पवार (66) के अंतिम संस्कार कार्यक्रम में शामिल होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। पवार को लोकप्रिय रूप से 'दादा' (बड़े भाई) के नाम से जाना जाता था। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में शाह ने कहा, अजित पवार जी के अंतिम दर्शन कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। समाज और जनता के लिए समर्पित अजित पवार जी के असामयिक निधन से महाराष्ट्र की राजनीति में एक ऐसी शून्यता उत्पन्न हुई है, जिसकी भरपाई लंबे समय तक संभव नहीं होगी।

आईआईटी मद्रास ने दो वर्षीय एमबीए पाठ्यक्रम के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाई

चेन्नई/भाषा। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास के प्रबंधन अध्ययन विभाग ने अपने दो वर्षीय पूर्णकालिक एमबीए पाठ्यक्रम के लिए आवेदन की अंतिम तिथि आठ फरवरी तक बढ़ा दी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पहले आवेदन की अंतिम तिथि 31 जनवरी थी, लेकिन नए स्नातकों और अनुभवी पेशेवरों सहित अधिक अभ्यार्थियों को मौका देने के लिए समय सीमा बढ़ाई गई है। संस्थान द्वारा बृहस्पतिवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस पाठ्यक्रम में भारतीय नागरिकों का प्रवेश कैट 2025 के अंकों के आधार पर जबकि विदेशी नागरिकों का प्रवेश जीमैट अंकों के आधार पर होगा।

बयान के मुताबिक इस पाठ्यक्रम में 100 प्रतिशत प्लेसमेंट का रिकॉर्ड हासिल हुआ है, जिसमें उच्चतम वेतन पैकेज 35.5 लाख रुपए प्रति वर्ष तक पहुंच गया है।

विभागाध्यक्ष प्रोफेसर साजी के मैथ्यू ने कहा कि यह कार्यक्रम शैक्षिक पृष्ठभूमि, उद्योग अनुभव, क्षेत्र और लिंग के आधार पर विविधता को बढ़ावा देता है। उन्होंने बताया कि विभाग 2001 में अपनी स्थापना के बाद से ही प्रबंधन पेशेवरों को प्रशिक्षित कर रहा है।

बयान के मुताबिक आवेदन के लिए किसी भी विषय में कम से कम 60 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक डिग्री होनी चाहिए, जबकि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए अर्हता 55 प्रतिशत है। स्नातक कर रहे अंतिम वर्ष के छात्र भी अनंतिम प्रवेश के लिए इस पाठ्यक्रम में आवेदन कर सकते हैं।

अन्नाद्रमुक में दोबारा शामिल होने के लिए तैयार हूं: पन्नीरसेल्वम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरियाकुलम/सलेम (तमिलनाडु)/भाषा। आल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) से निष्कासित नेता ओ पन्नीरसेल्वम ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह पार्टी में वापस लौटने को तैयार हैं, लेकिन उनके प्रतिद्वंद्वी ई के पलानीस्वामी ने उनके अनुरोध को तुरंत ठुकरा दिया।

पन्नीरसेल्वम की घोषणा के कुछ घंटे बाद ही पलानीस्वामी ने उन्हें पार्टी में फिर से शामिल करने से साफ इनकार कर दिया और कहा कि अन्नाद्रमुक से उन्हें निष्कासित करने का सामूहिक निर्णय पार्टी की आम परिषद द्वारा लिया गया था, जो इसकी सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था है।

पन्नीरसेल्वम ने अन्नाद्रमुक वर्कर्स राइट्स रिट्रीवल कमेटी का गठन किया था और एक संयुक्त अन्नाद्रमुक के लिए पैरवी कर रहे थे। उन्होंने थेनी जिले के पेरियाकुलम में घोषणा की कि वह मूल संगठन में लौटने के इच्छुक हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री पन्नीरसेल्वम ने कहा, ''मैं अन्नाद्रमुक में शामिल होने के लिए तैयार हूं। क्या टी टी वी दिनाकरन (एएमएमएके महासचिव) और पलानीस्वामी (स्वीकार करने के लिए) तैयार हैं?

दिनाकरन को भी अन्नाद्रमुक से निष्कासित किया गया था। दिनाकरन ने पलानीस्वामी का विरोध किया था।

उन्होंने 2018 में अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम (एएमएमके) का गठन किया था। हाल ही में दिनाकरन द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) को चुनाव में हराने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री पलानीस्वामी के नेतृत्व को स्वीकार करते हुए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में वापस आ गए हैं। पन्नीरसेल्वम ने अपने पैतृक शहर पेरियाकुलम में अपने समर्थकों के साथ बैठक के बाद, पत्रकारों को बताया कि उनके द्वारा शुरू किए गए आंदोलन का उद्देश्य अन्नाद्रमुक कार्यकर्ताओं के अधिकारों को पुनः प्राप्त करना था, जिसके लिए कानूनी लड़ाई चल रही है। पलानीस्वामी ने पेरियाकुलम से लगभग 230 किलोमीटर दूर स्थित अपने गृह जिले सलेम में, एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद पत्रकारों को बताया कि अन्नाद्रमुक की आम परिषद ने 2022 में पन्नीरसेल्वम को पार्टी से निष्कासित करने का सर्वसम्मत निर्णय लिया था।

अन्नाद्रमुक महासचिव ने कहा, यह मेरा निर्णय नहीं था, बल्कि पार्टी की आम परिषद का सामूहिक निर्णय था, जिसमें 2,500 से अधिक सदस्य शामिल हैं। उन्हें पार्टी में पुनः शामिल करने की कोई संभावना नहीं है।

पलानीस्वामी ने कहा, ''मैं यह बात लंबे समय से कहता आ रहा हूं। लेकिन वह पिछले चार सालों से इसी मुद्दे को दोहरा रहे हैं। उन्हें पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से विश्वासघात और पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए (2022 में) हटा दिया गया था।''

तमिलनाडु के राज्यपाल ने लोक भवन में तमिल कवि कंबर की प्रतिमा का अनावरण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के राज्यपाल आर. एन. रवि ने बृहस्पतिवार को लोक भवन परिसर में महान तमिल कवि कंबर की प्रतिमा का अनावरण किया।

यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, सार्वजनिक मंचों पर अक्सर तमिल साहित्य की समृद्धि और उसकी हस्तियों की प्रशंसा करने वाले राज्यपाल ने कवि को सम्मानित करने के लिए प्रतिमा का अनावरण किया।

अनावरण के बाद रवि ने कंबर को पुष्पांजलि अर्पित की। कंबर को 'कविचक्रवर्ती' (कवियों का सम्राट) के रूप में स्नेहपूर्वक याद किया जाता है। इस समारोह में तमिल विद्वानों, वक्ताओं, राज्य भर के विभिन्न कंबर कषगमों के प्रतिनिधियों और विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों ने भाग लिया। विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह पहल राज्यपाल के उन निरंतर प्रयासों का हिस्सा है जिनका उद्देश्य शास्त्रीय तमिल कृतियों के महत्व और भारतीय संस्कृति में उनके योगदान को उजागर करना है।

समानता को बढ़ावा देने संबंधी यूजीसी के नियम देरी से लागू किए गए, लेकिन स्वागत योग्य कदम है: स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने बृहस्पतिवार को कहा कि यूजीसी (उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा) विनियम, 2026 को देरी से लागू किया है, लेकिन यह ''गहरे तक जड़ें जमाए भेदभाव की भावना और संस्थागत उदासीनता'' से ग्रस्त उच्च शिक्षा प्रणाली में सुधार की दिशा में एक स्वागत योग्य कदम है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इन विनियमों को मजबूत किया जाना चाहिए और साथ ही इनमें मौजूद संरचनात्मक कमियों को दूर करने के लिए इनमें संशोधन भी किया जाना चाहिए तथा इन्हें वास्तविक जवाबदेही के साथ लागू किया जाना चाहिए।

देश में उच्च शिक्षा के नियामक निकाय ने 13 जनवरी को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देना) विनियम, 2026 को अधिसूचित किया, जिसने 2012 के भेदभाव-विरोधी रूपरेखा का स्थान लिया है।

नए नियम उच्च शिक्षा संस्थानों में जाति आधारित भेदभाव सहित अन्य भेदभावों से निपटने के लिए उन्हें लागू करने योग्य शासन व्यवस्था का रूप देते हैं। नए नियम उच्च शिक्षा संस्थानों में भेदभाव से संबंधित हैं, जिनमें जाति के आधार पर होने वाला भेदभाव भी शामिल है। इस हालिया कदम पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सत्ता में आने के बाद से भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों में विशेष रूप से अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्रों के बीच, छात्र आत्महत्याओं में स्पष्ट रूप से वृद्धि हुई है। स्टालिन ने कहा, ''इसके साथ ही दक्षिण भारत, कश्मीर और अल्पसंख्यक समुदायों के छात्रों को निशाना बनाकर बार-बार हमले और उत्पीड़न की घटनाएं भी हुई हैं। इस संदर्भ में समानता के लिए सुरक्षा उपाय विकल्प का विषय नहीं बल्कि एक अपरिहार्य आवश्यकता हैं।''

केरल बजट: विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए जनहितकारी योजनाओं की घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के वित्त मंत्री के. एन. बालगोपाल ने आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए 2026-27 के लिए बृहस्पतिवार को जन-केंद्रित बजट पेश किया। इसमें सामाजिक सुरक्षा पेंशनभोगियों की मदद के लिए 14,500 करोड़ रुपए की भारी राशि और कई नए सामुदायिक कार्यक्रमों के वित्तपोषण का प्रस्ताव है। उन्होंने राज्य के बजट में 12वें वेतन संशोधन आयोग की भी घोषणा की। इससे सरकारी कर्मचारियों के वेतन की प्रत्येक पांच साल में समीक्षा करने की लंबे समय से चली आ रही नीति जारी रहेगी।

मुख्यमंत्री पिनराई विजयन नीत दूसरी सरकार का छठा बजट पेश करते हुए बालगोपाल ने विधानसभा में मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (आशा) एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में 1,000 रुपए प्रति माह जबकि आंगनवाड़ी सहायकों के मानदेय में 500 रुपए की वृद्धि की घोषणा की। उन्होंने बताया कि प्राथमिक विद्यालय के पूर्व शिक्षकों और साक्षरता अभियान के प्रेरकों (मोटिवेटर) के वेतन में 1,000 रुपए प्रति माह की वृद्धि जबकि विद्यालय के रसोइया कर्मचारियों की दैनिक मजदूरी में 25 रुपए प्रति दिन की बढ़ोतरी का प्रस्ताव है।

बजट में मुख्यमंत्री की स्त्री सुरक्षा योजना के लिए 3,700 करोड़ रुपए की घोषणा भी की गई है। इसके अलावा, बजट में ग्रामीण रोजगार योजना के लिए पिछले वर्ष की तुलना में 1,000 करोड़ रुपए के आवंटन में वृद्धि, स्कूली बच्चों सहित सभी श्रेणियों के लोगों के लिए जीवन एवं स्वास्थ्य बीमा योजनाओं और कला एवं विज्ञान कॉलेज के छात्रों के लिए मुफ्त डिग्री शिक्षा की भी घोषणा की गई है।

बजट में तिरुवनंतपुरम से कासरगोड तक क्षेत्रीय तीव्र पारगमन प्रणाली (आरआरटीएस) से संबंधित प्रारंभिक कार्यों के लिए 100 करोड़ रुपए के आवंटन की भी घोषणा की गई, जिसे बुधवार को राज्य मंत्रिमंडल द्वारा सैद्धांतिक मंजूरी दी गई थी। इसमें तटीय क्षेत्र के विकास के लिए लगभग 150 करोड़ रुपए का प्रस्ताव है।

राज्य के बजट में वन और वन्यजीव संरक्षण के लिए 250 करोड़ रुपए से अधिक की राशि की घोषणा भी की गई। बालगोपाल ने बजट भाषण में केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि केंद्र केरल का गला घोंट रहा है और उसके कर राजस्व में कटौती कर रहा है। वित्त मंत्री ने कहा, '' घोर उपेक्षा के बावजूद केरल ने प्रगति की है।'' उन्होंने राज्य के बजट में 12वें वेतन संशोधन आयोग की भी घोषणा की। इसमें 12वें वेतन संशोधन आयोग से तीन महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने की उम्मीद है ताकि समय पर कार्रवाई की जा सके।

बजट में यह भी पुष्टि की गई है कि कर्मचारियों तथा पेंशनभोगियों के सभी लंबित महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) का भुगतान कर दिया जाएगा।

एक किस्त फरवरी के वेतन के साथ और शेष बकाया मार्च के वेतन के साथ दिया जाएगा।

पेंशन के संबंध में, वित्त मंत्री ने औपचारिक रूप से सुनिश्चित पेंशन योजना की घोषणा की जो पात्र कर्मचारियों के लिए अंशदायी राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) का स्थान लेगी। इस योजना के तहत, सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके अंतिम वेतन का 50 प्रतिशत तक प्राप्त होगा, जिसमें डीआर भी शामिल होगा। बालगोपाल ने कहा, '' बजट का उद्देश्य केरल की विकास यात्रा को जारी रखते हुए सरकारी कर्मचारियों के लिए उचित वेतन एवं वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करना है।''

केरल में जिला अस्पतालों में रजोनिवृत्ति क्लिनिक खोले जाएंगे, 3 करोड़ रू का बजट आवंटित

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल सरकार ने बृहस्पतिवार को जिला अस्पतालों में विशेष रजोनिवृत्ति क्लिनिक स्थापित करने की घोषणा की। विधानसभा में पेश किए गए बजट में वित्त मंत्री के.एन. बालगोपाल ने कहा कि क्लीनिक स्थापित करने के लिए तीन करोड़ रुपए आवंटित किए जाएंगे।

रजोनिवृत्ति एक महिला के जीवन का एक प्राकृतिक चरण है। इसके गहन शारीरिक और भावनात्मक प्रभाव के बावजूद अक्सर इसे नजरअंदाज कर दिया जाता है। महिलाओं को हार्मोन असंतुलन, नींद संबंधी विकार, मानसिक तनाव और हड्डियों से संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, जिसके चलते कई महिलाओं को विशिष्ट देखभाल की आवश्यकता होती है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, नए क्लिनिक का उद्देश्य एक ही स्थान पर चिकित्सा परामर्श, मानसिक स्वास्थ्य परामर्श, हृदय, हड्डी और हार्मोनल स्वास्थ्य की जांच के साथ-साथ दवाएं और मार्गदर्शन प्रदान करना है। इससे पहले महाराष्ट्र में सरकारी अस्पतालों और शहरी स्वास्थ्य केंद्रों में इस तरह के क्लिनिक खोले गए थे। महाराष्ट्र ने इस पहल की शुरुआत इस वर्ष मकर संक्रांति (14 जनवरी) के अवसर पर की।

गडकरी ने प्रियंका से कहा: वायनाड में रात्रि यात्रा पर रोक का हल तलाशने के लिए विशेषज्ञ समिति गठित

गडकरी ने प्रियंका से कहा: वायनाड में रात्रि यात्रा पर रोक का हल तलाशने के लिए विशेषज्ञ समिति गठित

वायनाड/भाषा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा को सूचित किया है कि केरल में उनके संसदीय क्षेत्र वायनाड में रात में यात्रा पर लगे प्रतिबंध का समाधान तलाशने के लिए बांदीपुर वन मार्ग के विकल्प के रूप में एक सुरंग की व्यवहार्यता का अध्ययन करने के वास्ते एक विशेषज्ञ समिति गठित की गई है।

कांग्रेस की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री ने प्रियंका को यह भी बताया है कि उनके निर्वाचन क्षेत्र में चार सड़क विकास परियोजनाओं के लिए केंद्रीय सड़क अवसंरचना कोष (सीआरआईएफ) से 105 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं।

बयान में कहा गया है कि गडकरी ने प्रियंका को एक पत्र के माध्यम से इस बारे में जानकारी दी है। प्रियंका ने अक्टूबर 2025 में पत्र लिखकर और फिर बाद में पिछले महीने मुलाकात कर इन मुद्दों को गडकरी के समक्ष उठाया था।

बयान के अनुसार, मंत्री ने प्रियंका को यह भी सूचित किया है कि सेवानिवृत्त अतिरिक्त महानिदेशक आरके पांडे और आईआईटी पलक्कड़ की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. दिव्या पीवी की विशेषज्ञ समिति ने थामरस्सेरी दर्रे में भूस्खलन से निपटने के लिए तत्काल एवं दीर्घकालिक कार्रवाई के वास्ते सिफारिशें पेश की हैं और इस संबंध में राज्य के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

बयान के मुताबिक, गडकरी ने प्रियंका को यह भी बताया है कि केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय के एक सलाहकार को चार सड़क विकास परियोजनाओं की निगरानी के लिए नियुक्त किया गया है।

तिरुवनंतपुरम में एआई आधारित रोबोटिक नहर सफाई प्रणाली शुरू

तिरुवनंतपुरम (केरल)/भाषा। सर पर मैला ढोने की प्रथा को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने और स्वच्छता कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए तिरुवनंतपुरम नगर निगम ने एआई आधारित रोबोटिक नहर सफाई प्रणाली 'जी-स्पाइडर' को यहां थंपनूर रेलवे स्टेशन परिसर के पास अमायिझंचन नहर में शुरू किया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

इस प्रणाली का उद्घाटन बुधवार को स्थानीय स्वशासन मंत्री एम.बी. राजेश ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम के महापौर वी.वी. राजेश की अध्यक्षता में आयोजित एक कार्यक्रम में किया।

यह एआई आधारित नहर सफाई परियोजना नगर निगम और टेक्नोपार्क स्थित 'जेनरोबोटिक इनोवेशन्स' कंपनी की संयुक्त पहल है। 'जेनरोबोटिक इनोवेशन्स' वही कंपनी है जिसने 'बैंडिकूट' नामक रोबोटिक स्कैवेंजर विकसित किया है। समझौते के तहत रोबोटिक प्रणाली की तैनाती का पूरा खर्च जेनरोबोटिक्स वहन करेगा, जबकि नगर निगम इसके संचालन और रखरखाव की निगरानी करेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री एम.बी. राजेश ने कहा कि जेनरोबोटिक्स ने यह उदाहरण प्रस्तुत किया है कि किस तरह नवोन्मेषी विचारों को प्रभावशाली उद्यमिता में बदला जा सकता है।

अपने संबोधन में महापौर वी.वी. राजेश ने अपशिष्ट प्रबंधन के लिए अत्याधुनिक तकनीकों के उपयोग के प्रति निगम की प्रतिबद्धता दोहराई और जेनरोबोटिक्स की टीम की सराहना की। उन्होंने कहा कि निगम कंपनी की तकनीक के अधिकतम उपयोग की संभावनाएं तलाशेगा। अधिकारियों के अनुसार, क्षेत्र में हाथों से सफाई के कारण गंभीर सुरक्षा घटनाएं हुई थीं, जिनमें 2024 में स्वच्छता कर्मी जॉय की मृत्यु भी शामिल है। इसी पृष्ठभूमि में नहर के खतरनाक सफाई कार्यों के लिए मानव प्रवेश को पूरी तरह समाप्त करने के उद्देश्य से और 'मैनुअल स्कैवेंजर्स के नियोजन निषेध एवं पुनर्वास अधिनियम' के पूर्ण अनुपालन में रोबोटिक तकनीक की तैनाती की गई है।

'जी-स्पाइडर' को इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह बिना मानव हस्तक्षेप के जटिल और उच्च जोखिम वाली नहरों में कार्य कर सके। केबल-चालित समानांतर रोबोटिक संरचना पर आधारित यह प्रणाली एआई सक्षम विजन और सेंसर प्रणालियों से युक्त है, जिससे नहरों में जमा कचरे की सटीक पहचान, आकलन और निष्कासन संभव होता है।

अधिकारियों ने बताया कि यह प्रणाली मशीन सेंसरों की मदद से वास्तविक समय में कचरे की पहचान करती है और कचरे के प्रकार, जल प्रवाह और संरचनात्मक स्थितियों के अनुसार स्वतः अनुकूलन करती है। एआई संचालित विजन एल्गोरिद्म के मार्गदर्शन में रोबोटिक तंत्र सटीक स्थिति निर्धारण, स्थिर पकड़ और विश्वसनीय कचरा निष्कासन सुनिश्चित करता है।

निकाला गया कचरा स्वतः निर्धारित संग्रह वाहनों में स्थानांतरित हो जाता है, जिससे पहचान से निस्तारण तक पूरी प्रक्रिया पूरी तरह स्वचालित और सुरक्षित बन जाती है।

शबरिमला सोना चोरी मामलों में एन.के. उन्नीकृष्णन विशेष लोक अभियोजक नियुक्त

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल सरकार ने शबरिमला सोना चोरी मामलों में अभियोजन कार्रवाई का नेतृत्व करने के लिए एन.के. उन्नीकृष्णन को विशेष लोक अभियोजक नियुक्त किया है। यहां एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। बुधवार को एक सरकारी आदेश में उनकी नियुक्ति की सूचना जारी की गई।

द्वारपालक मूर्तियों और श्रीकोविल (गर्भगृह) के दरवाजों से सोना चोरी करने से संबंधित दो मामलों में उन्नीकृष्णन विशेष जांच दल की ओर से अभियोजन का नेतृत्व करेंगे। जांच के दौरान वह कानूनी सलाह भी प्रदान करेंगे और अदालत में आरोपपत्रों के दाखिल किए जाने से पहले उसकी बारीकी से पड़ताल करेंगे। त्रिशूर निवासी उन्नीकृष्णन ने इससे पहले कानूनी छात्रा जिशा से अप्रैल 2016 में कुरुप्पमपाडी स्थित उसके आवास पर किए गए दुष्कर्म और हत्या के मामले में विशेष लोक अभियोजक के रूप में कार्य किया था। उनके नेतृत्व में अभियोजन पक्ष ने एकमात्र आरोपी अमीरुल इस्लाम को दोषी ठहराने और मौत की सजा दिलाने में सफलता हासिल की थी।

शबरिमला सोना चोरी मामले की जांच में अभियोजन पक्ष पहले से ही दबाव का सामना कर रहा है, क्योंकि दो मामलों में आरोपपत्र दाखिल करने में देरी के कारण एक आरोपी को वैधानिक जमानत मिलने के बाद जेल से रिहा कर दिया गया। इस मामले में विशेष जांच दल के अलावा, प्रवर्तन निदेशालय ने धन शोधन की जांच शुरू कर दी है।

कांग्रेस तमिलनाडु में टीवीके के साथ गठबंधन करे, विजय उसे सत्ता दिलाएंगे : चंद्रशेखर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। अभिनय से राजनीति में आए विजय के पिता एसए चंद्रशेखर ने कांग्रेस से अपील की है कि वह तमिलनाडु में अपनी पुरानी प्रतिष्ठा वापस पाने के लिए उनके बेटे की पार्टी टीवीके के साथ गठबंधन करे।

चंद्रशेखर ने बुधवार को तिरुवरूर में एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को समर्थन देने पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस का लंबा इतिहास और विरासत है... विजय पार्टी को समर्थन देने और उसकी पुरानी प्रतिष्ठा वापस दिलाने में मदद करने को तैयार हैं।'' चंद्रशेखर ने सुझाव दिया कि कांग्रेस को तमिलनाडु में अपनी खोई हुई राजनीतिक प्रासंगिकता फिर से हासिल करने के लिए विजय की पार्टी के साथ गठबंधन करना चाहिए।

उन्होंने कहा, ''वे (कांग्रेस नेता) अन्य पार्टियों को समर्थन दे रहे हैं और उनका प्रभाव कम हो रहा है। विजय उनका समर्थन करने और उन्हें उनकी पुरानी प्रतिष्ठा वापस दिलाने में मदद करने के लिए तैयार हैं।''

चंद्रशेखर ने दावा किया कि कई लोगों ने उनके बेटे को विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने की सलाह दी थी, क्योंकि गठबंधन के बिना चुनाव लड़ने पर उनकी जीत निश्चित है। उन्होंने दावा किया कि विजय का चुनावी भविष्य उज्ज्वल है।

चेन्नई में बिहार के प्रवासी परिवार के तिहरे हत्याकांड के आरोप में तीन गिरफ्तार : पुलिस

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में बिहार के एक प्रवासी मजदूर, उसकी पत्नी और उनके दो वर्षीय बेटे की जघन्य हत्या के सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जांच में यौन उत्पीड़न और हत्याओं की एक भयावह कहानी सामने आई है। पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 26 जनवरी को एक बोरी में शव मिलने के बाद जांच शुरू की गई थी। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान बिहार के नालंदा जिले के निवासी, गौरव कुमार (24), उनकी पत्नी मीनू कुमारी (22) और उनके बेटे वीरमणि कुमार के रूप में हुई है। कुमार पहले पास के श्रीपेरुम्बुदुर में एक सुरक्षा गार्ड के रूप में काम करते थे, लेकिन बाद में रोजगार की तलाश में हाल में परिवार के साथ यहां लौटे थे। पुलिस के मुताबिक, ''परिवार तारामणि इलाके में जान-पहचान वालों के साथ रह रहा था। पच्चीस जनवरी की रात को, बिहार से आए प्रवासी मजदूरों के एक समूह ने कथित तौर पर कुमार के साथ शराब पी।''

कर्नाटक विधानसभा सत्र चार फरवरी तक बढ़ाया गया

बेंगलूरू/भाषा। कर्नाटक विधानसभा सत्र को चार दिनों के लिए बढ़ा दिया गया है और यह चार फरवरी तक जारी रहेगा। विधानसभा अध्यक्ष यू. टी. खादर ने बृहस्पतिवार को यह घोषणा की। राज्य विधानसभा का सत्र 22 जनवरी को शुरू हुआ था और तय कार्यक्रम के अनुसार 31 जनवरी को इसे समाप्त होना था। खादर ने घोषणा की, ''कार्य मंत्रणा समिति की 29 जनवरी को हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि 22 जनवरी से शुरू हुआ नौवां सत्र 31 जनवरी के बजाय चार फरवरी तक जारी रहेगा।'' उन्होंने कहा कि 31 जनवरी को कोई कार्यवाही नहीं होगी। खादर ने सदन को बताया कि राज्यपाल के अभिभाषण पर बृहस्पतिवार और शुक्रवार को होने वाली चर्चा का जवाब मुख्यमंत्री दो फरवरी को देंगे।

पीएमश्री विद्यालय बन रहे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रतीक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी सोच के अनुरूप एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में राज्य सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से सुनहरे भविष्य निर्माण की नींव रख रही है। इसी दिशा में प्रदेश के पीएम(प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया) विद्यालय विद्यार्थियों को स्मार्ट कक्षाओं, प्रशिक्षित शिक्षकों, नवाचारों, गतिविधि-आधारित शिक्षण और मूल्य आधारित अनुशासन के साथ शैक्षणिक रूप से सक्षम बना रहे हैं।

ये विद्यालय 'उत्कृष्ट प्रबंधन' की अवधारणा पर आधारित हैं, जहां विद्यार्थियों को व्यवहारिक वातावरण एवं आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इन विद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा को प्रभावी रूप से लागू किया गया है। प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया (पीएमश्री) योजना के तहत राजस्थान में कुल 639 विद्यालयों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जा रहा है। पहले चरण में 402 और दूसरे चरण में 237 विद्यालयों में भवनों का कायाकल्प और आधुनिकीकरण करते हुए आधारभूत संसाधनों का विस्तार किया गया है।

इन सभी 639 पीएमविद्यालयों में बाल वाटिकाएं संचालित की जा रही हैं। प्रथम चरण के अंतर्गत विद्यालयों में अंश, अनमोल एवं आलोक वर्कबुक, चाइल्ड फ्रेंडली फर्नीचर की व्यवस्था की गई है। सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रमों के माध्यम से अभिभावकों को भी शिक्षा प्रक्रिया से जोड़ा जा रहा है, जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो। इन बाल वाटिकाओं में एनटीटी शिक्षकों एवं सहायक कर्मियों का भी प्रावधान किया गया है।

प्रदेश के 500 पीएमविद्यालयों में डिजिटल लाइब्रेरी और 142 विद्यालयों में ओ-लैब स्थापित की गई हैं। सत्र 2024-25 में 623 विद्यालयों को 2492 विज्ञान एवं गणित किट उपलब्ध करवाई गई हैं। शैक्षणिक एवं औद्योगिक एक्सपोजर विज़िट के माध्यम से विद्यार्थियों में व्यवहारिक ज्ञान और रोजगारोन्मुखी समझ विकसित की जा रही है।

पीएमविद्यालयों के शिक्षकों को आवासीय प्रशिक्षण, एबीएल किट तथा आईआईएम उदयपुर द्वारा नवाचार आधारित नेतृत्व प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है। जयपुर, सिरोही और उदयपुर में आयोजित कैंप्स ने शिक्षण गुणवत्ता को नई दिशा दी है।

राज्य के सभी पीएमविद्यालयों में संविधान कक्ष स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे विद्यार्थी लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक हों। साथ ही, छात्राओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण, मार्शल आर्ट ट्रेनिंग उपलब्ध कराते हुए 144 विद्यालयों में सेनेटरी पैड इंसीनरेटर मशीनों की स्थापना की जा रही है। पहली बार प्रदेश के सभी 639 पीएमविद्यालयों की रैंकिंग जारी की गई है।

प्रदेश में हुक्काबार और नशाखोरी के विरुद्ध हो रही सख्त कार्रवाई : बेढम

जयपुर। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने गुरुवार को विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में हुक्काबार और नशाखोरी पर निरन्तर सख्त कार्रवाई कर रही है। प्रदेश में सभी प्रकार के अवैध मादक पदार्थों हुक्का आदि की रोकथाम के लिए स्पेशल टास्क फोर्स का गठन कर नशाखोरी को खत्म करने की दिशा प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। गृह राज्य मंत्री बेढ़म प्रश्नकाल के दौरान सदस्य राम सहाय वर्मा द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य में पुलिस द्वारा निरंतर कोटपा (उजळझ-) एक्ट में हुक्का बार संचालकों के खिलाफ निरन्तर कार्रवाई की जा रही है। जिस मकान या स्थान में हुक्काबार संचालित पाये जाते हैं, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा कानून सम्मत कार्रवाई कर अपराधियों को निरुद्ध करने का काम किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया इस तरह की अवैध गतिविधियों में लिप्त व्यक्तियों पर कोटपा एक्ट के तहत कठोर कारवाई की जाएगी।

गृह राज्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश में वर्ष 2022 में 55 हजार 326 तथा वर्ष 2023 में 25 हजार 885 हुक्का बार और अवैध गतिविधियां के मामले सामने आए थे। उस समय हुक्का बार और अवैध गतिविधियां चरम पर थीं। वर्तमान राज्य सरकार के कार्यकाल में वर्ष 2024 तथा 2025 में पुलिस द्वारा प्रभावी कार्रवाई की गई, जिसके परिणामस्वरूप इस दौरान हुक्का बार और अवैध गतिविधियां के मामले घटकर 12 हजार 598 पर आ गए।

भजनलाल शर्मा ने केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री से की मुलाकात

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार देर रात को नई दिल्ली में केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चैहान से मुलाकात की। इस अवसर पर शर्मा ने राजस्थान के लिए मटेरियल कंपोनेंट के अंतर्गत 825 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी किए जाने पर केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री का आभार व्यक्त किया। चैहान ने मुख्यमंत्री को इस संबंध में अग्रिम किश्त का शीघ्र भुगतान करने के लिए आश्वासन भी दिया। इस दौरान प्रदेश में कृषि एवं ग्रामीण विकास से संबंधित विभिन्न विषयों और कृषक कल्याण को समर्पित विभिन्न योजनाओं की प्रगति के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई।

अरावली को बार-बार उजाड़ा जा रहा, लेकिन सरकार की ओर से नहीं हो रही कार्रवाई : डोटासरा

जयपुर। कांग्रेस की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि अरावली को बार-बार उजाड़ा जा रहा है, लेकिन भाजपा सरकार कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। डोटासरा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया, सरकार के विकास मॉडल में न हरियाली की कोई कीमत है, न जंगलों का महत्व और न ही ग्रामीणों की आवाज का वजूद। डोटासरा ने गिरावड़ी वन क्षेत्र में सीकर से नरेला तक प्रस्तावित 765 किलोवाट संचरण लाइन परियोजना के तहत करीब 60 हजार पेड़ों की कटाई के आदेश को विनाशकारी फैसला बताया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण पिछले दो दिनों से धरने पर बैठे हैं, लेकिन सरकार की संवेदनहीनता टस से मस नहीं हो रही। कांग्रेस नेता ने कहा, हैरानी की बात यह है कि राजस्थान की जीवनदायिनी अरावली को बार-बार उजाड़ा जा रहा है और पेड़ों की अंधाधुंध कटाई पर सरकार की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले कई वर्षों में जोधपुर, जैसलमेर, बाड़मेर और बीकानेर में करीब 26 लाख खेजड़ी के पेड़ काटे गए, जिससे अरावली से पशु-पक्षियों का पलायन तेजी से बढ़ रहा है। डोटासरा ने सवाल उठाया कि भाजपा सरकार आखिर कब तक प्रकृति और पर्यावरण को उजाड़ती रहेगी।

शराब बिक्री का समय बढ़ाने का विचार जनविरोधी : अशोक गहलोत

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने राजस्थान सरकार द्वारा शराब की दुकानों के समय में प्रस्तावित बदलाव की आलोचना करते हुए इसे चिंताजनक व जनविरोधी करार दिया है। उन्होंने बृहस्पतिवार को कहा कि वह ऐसे फैसलों का कड़ा विरोध करते हैं। मीडिया में आई खबरों के अनुसार, सरकार आबकारी नीति में बदलाव करते हुए शराब ठेकों के खुलने व बंद होने के समय में बदलाव कर रही है। इसके संदर्भ में गहलोत ने कहा, भाजपा सरकार का शराब बिक्री का समय बढ़ाने का विचार अत्यंत चिंताजनक और जनविरोधी है। नैतिकता और सामाजिक सरोकारों को ताक पर रखकर लिए जाने वाले ऐसे निर्णयों का हम कड़ा विरोध करते हैं। उन्होंने कहा, राज्य सरकार को ऐसा कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए जो सीधा महिला सुरक्षा और शांति व्यवस्था के लिए खतरा बने। गहलोत के अनुसार, उनके नेतृत्व वाली तत्कालीन सरकार ने शराब ठेकों को रात आठ बजे तक ही खोले जाने की समयसीमा तय की थी। उन्होंने कहा, देर रात तक शराब की बिक्री सीधे तौर पर अपराध और महिलाओं के विरुद्ध असुरक्षा को बढ़ावा देती है। इसी को रोकने के लिए हमने कड़ा फैसला लेकर समय सीमा आठ बजे तय की थी।

राजस्थान के कई इलाकों में घना कोहरा, कड़ाके की ठंड

जयपुर। राजस्थान के कई इलाकों में कड़ाके की सर्दी जारी है जहां बृहस्पतिवार सुबह कई जगह घना कोहरा छाया रहा। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। इसके अनुसार बीते चौबीस घंटे में राज्य में मौसम शुष्क रहा। राज्य में कहीं कहीं म ध्यम से घना कोहरा छाया रहा और शीतलहर दर्ज की गई। कड़ाके की ठंड के कारण कई जगह शीत दिवस रहा। इस दौरान न्यूनतम तापमान पाली में 4.1 डिग्री, फतेहपुर व लूणकरणसर में 4.4 डिग्री, सिरोही में 4.7 डिग्री, पिलानी व सीकर में 6.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पहाड़ी स्थल माउंट आबू में यह 3.3 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में घने कोहरे व सर्दी का दौर अभी जारी रहेगा। वहीं एक नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से 31 जनवरी व 1 फरवरी को पुनः राज्य के उत्तरी व पूर्वी भागों में कहीं-कहीं मेघगर्जन के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है।

सड़क हादसे में महिला सहित चार बस यात्रियों की मौत

जयपुर। राजस्थान के भरतपुर जिले में आगरा-जयपुर राजमार्ग पर बुधवार देर रात हुए हादसे में एक महिला सहित चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। इसके अनुसार सेवर पुलिस थाना इलाके में यह हादसा उस समय हुआ जब एक स्लीपर बस सड़क पर खड़े ट्रेलर से टकरा गई। बस उत्तर प्रदेश के कासगंज से जयपुर जा रही था। सेवर के पुलिस निरीक्षक सतीश शर्मा ने बताया कि सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे यात्रियों को बचाया। मृतकों की पहचान उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के सतोवा गांव की गीता (38), उनके बेटे कान्हा (8), अलवर जिले के कठूमर के रहने वाले बस चालक मुखन सिंह (28) और एक अन्य के रूप में हुई है। शुरुआती जांच से पता चलता है कि हादसे के समय घना कोहरा था। पुलिस ने बताया कि ट्रेलर खराब हो गया था और बिना बैरिकेड या चेतावनी संकेतों के सड़क पर खड़ा था और बस चालक खराब दृश्यता के कारण उसे देख नहीं पाया।

हेड कांस्टेबल सहित दो पुलिसकर्मी रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने डूंगरपुर जिले में पुलिस कांस्टेबल और हेड कांस्टेबल को कथित तौर पर 1.50 लाख रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि डूंगरपुर के पुलिस थाना दोवडा के कांस्टेबल प्रकाश चन्द्र पटेल व हेड कांस्टेबल अशोक कुमार पाटीदार को रिश्वत लेने के मामले में गिरफ्तार किया गया है।ब्यूरो के महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने एक बयान में बताया कि परिवादी ने शिकायत दी थी कि आरोपी पुलिसकर्मी उसे ऑनलाइन गेम के जरिए लोगों से धोखाधड़ी करने के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर दो लाख रुपए की रिश्वत मांग रहे हैं। ब्यूरो ने शिकायत का सत्यापन करवाया तो आरोपी कांस्टेबल प्रकाश चन्द्र पटेल व हेड कांस्टेबल अशोक कुमार पाटीदार परिवादी से 1.50 लाख रुपये रिश्वत लेने पर सहमत हुए। ब्यूरो की टीम ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया।

'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की आत्मा है कश्मीर : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारत दर्शन के अंतर्गत कश्मीर के छात्र प्रतिनिधिमंडल ने बृहस्पतिवार को राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से लोकभवन में मुलाकात की। इस दौरान राज्यपाल ने प्रतिनिधिमंडल से संवाद करते हुए कहा, एक भारत, श्रेष्ठ भारत की आत्मा है कश्मीर। विविधता में एकता लिए भारत की संस्कृति प्रांतों की परंपराओं, वहां के ऐतिहासिक स्थलों और प्रकृति से जुड़ी हुई है। दसवीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, श्रीनगर के साथ आए प्रतिनिधिमंडल में श्रीनगर, पुलवामा, बारामूला, कुपवाड़ा आदि क्षेत्रों के विद्यार्थियों ने राज्यपाल बागडे से यात्रा और भारतीय संस्कृति को लेकर अपने अनुभव भी साझा किए।

गौशालाओं को अनुदान भी देंगे और निर्माण भी कराएंगे : कुमावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में गौवंश के संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। गौवंश की सेवा हमारी संस्कृति और परम्परा का अभिन्न अंग है। उन्होंने सदन में कहा कि निराश्रित गौवंश के लिए राज्य में 4 हजार से अधिक गौशालाएं संचालित हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में अनुदान के लिए पात्र 3 हजार 310 गौशालाओं से प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

कुमावत ने कहा कि कई स्थानों पर गौचर भूमि में गौशालाएं संचालित हैं लेकिन एक रिट प्रकरण के कारण भूमि उनके नाम पर आवंटित नहीं हो रही है। उन्होंने बताया कि राजस्व विभाग के एक नए परिपत्र के अनुसार जिस भी ग्राम पंचायत में सिवायक चक भूमि नहीं है लेकिन गौवंश के लिए पर्याप्त गौचर है, वहां गौशालाओं के लिए भूमि आवंटित हो सकती है। उन्होंने सदन में बताया कि ऐसे प्रकरणों में जिला कलेक्टर के माध्यम से नियमानुसार भूमि आवंटन करवाया जा सकता है।

गोपालन मंत्री ने विधायक बहादुर सिंह के पूरक प्रश्न के जवाब में कहा कि ग्राम पंचायतों में चारागाह भूमि पंचायती राज विभाग के अंतर्गत आती है। यदि उस पर अतिक्रमण है तो शीघ्र हटाया जाना चाहिए। उन्होंने पंचायती राज मंत्री से आग्रह किया कि ऐसे प्रकरणों को चिंहित कर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाए। कुमावत ने कहा कि प्रदेश में नई गौशालाएं और खुलनी चाहिए जिससे निराश्रित गौवंश की उचित देखभाल संभव हो सके। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 'पशु आश्रय स्थल योजना', 'पंचायत समिति स्तरीय नंदीशाला जन सहभागिता योजना' और 'गौशाला विकास योजना' संचालित है। उन्होंने सभी सदस्यों से आग्रह किया कि इन योजनाओं के बारे में अधिकाधिक प्रचार-प्रसार करें। नियमानुसार नई गौशालाएं खोलकर विभाग को प्रस्ताव भेजे जाएं, ताकि उन्हें अनुदान और अन्य सहायता मिल सकें।

इससे पहले सदस्य के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में गोपालन मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का विधान सभा क्षेत्र वैर के उपखण्ड मुख्यालय वैर में गौशाला खोलने का विचार नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदेश में गौशालाओं की स्थापना एवं संचालन स्वयं सेवी संस्था/ट्रस्ट द्वारा किया जाता है। उन्होंने बताया कि राजस्थान गौसंरक्षण एवं संवर्धन निधि नियम, 2016 संशोधित 2021 के अंतर्गत पात्र गौशालाओं में संधारित गौवंश को चारा-पानी एवं पशु आहार हेतु सहायता राशि तथा आधारभूत परिसम्पतियों के निर्माण हेतु अनुदान दिये जाने का प्रावधान है।

पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र ने किया यूजीसी के नए नियमों का विरोध

नोएडा/जयपुर। राजस्थान के पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों को पूरी तरह असंवैधानिक बताते हुए इसका विरोध किया। मिश्र ने सेक्टर-51 स्थित अपने आवास पर आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि नए नियमों को जल्द वापस लिया जाना चाहिए। मिश्र ने कहा कि इन नियमों के कारण छात्रों के बीच भेदभाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है और किसी भी तरह के भेदभाव या अभद्र टिप्पणी का शिकार होने पर सभी वर्गों के छात्रों को शिकायत करने का समान अधिकार मिलना चाहिए।

अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति को मिलेगा स्वाभिमान के साथ न्याय : भाटी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं जिला प्रशासन के सहयोग से गुरुवार को नवलखा स्टेडियम, आमेर में न्याय सेवा संगम मेगा जन कल्याण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के मुख्य अतिथि राजस्थान उच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्ति डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह भाटी रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि न्यायाधीश एवं अध्यक्ष राजस्थान उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति श्री इन्द्रजीत सिंह उपस्थित रहे।

न्यायमूर्ति डॉ. भाटी ने कहा कि न्याय सेवा संगम बदलते भारत की तस्वीर है, जहां अंतिम पंक्ति में खड़े गरीब एवं वंचित व्यक्ति तक स्वाभिमान के साथ न्याय पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विधिक सेवा प्राधिकरण आमजन के लिए न्याय को सुलभ बनाने का सशक्त माध्यम बन रहा है। विशिष्ट अतिथि श्री इन्द्रजीत सिंह ने कहा कि सस्ता, सुलभ और समयबद्ध न्याय उपलब्ध कराना संविधान की मूल भावना है। इस अवसर पर पीड़ित प्रतिकर सहायता योजना के अंतर्गत 9 लाख रुपये का चेक तथा राजीविका सीएलएफ के माध्यम से लगभग 50 लाख रुपये के चेक स्वयं सहायता समूहों को वितरित किए गए।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की उपस्थिति में आयोजित इस मेगा शिविर में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग सहित 20 विभागों द्वारा एक ही मंच पर सेवाएं प्रदान की गईं। नगर निगम, राजस्व, चिकित्सा, शिक्षा, पशुपालन, कृषि, निर्वाचन, आयुष सहित विभिन्न विभागों ने प्रमाण पत्र, ओपीडी, पेंशन, स्कूटी, साइकिल, मृदा कार्ड, पीएम सूर्यघर योजना सहित अनेक सेवाएं मौके पर ही उपलब्ध कराईं।

मेगा शिविर के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा मौके पर ही बड़ी संख्या में सेवाएं एवं स्वीकृतियां प्रदान की गईं। नगर निगम जयपुर द्वारा 52 मृत्यु प्रमाण पत्र, 46 विवाह प्रमाण पत्र एवं 5 नवीन पट्टे जारी किए गए। तहसीलदार आमेर द्वारा 115 मूल निवास प्रमाण पत्र, 215 जाति प्रमाण पत्र तथा 51 जन्म-मृत्यु शपथ पत्र जारी किए गए। ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी आमेर द्वारा 705 ओपीडी सेवाएं दी गईं।

वहीं, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी द्वारा 34 स्कूटी वितरित की गईं तथा शिक्षा विभाग द्वारा 168 साइकिलों का वितरण किया गया। निर्वाचन विभाग द्वारा फार्म-6 के 207, फार्म-7 के 32 एवं फार्म-8 के 78 आवेदन भरवाए गए।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर स्थान एवं वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर पोषण वाटिकाएँ विकसित करेंगे : दिया कुमारी

जयपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी ने गुरुवार को विधानसभा में कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों पर स्थान एवं वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर पोषण वाटिकाएँ विकसित करेंगे। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2020-21 एवं 2021-22 में पोषण अभियान के अंतर्गत नवाचार के रूप में प्रदेश में पोषण वाटिकाएँ विकसित की गई थीं तथा वर्तमान में भी केंद्र सरकार के सहयोग से यह कार्य निरंतर जारी है। उन्होंने कहा कि सक्षम आंगनबाड़ी केंद्रों एवं राज्य मद से विकसित किये जा रहे आदर्श आगनबाड़ी केंद्रों पर स्थान की उपलब्धता के अनुसार पोषण वाटिकाएँ विकसित की जा रही है। वर्तमान में प्रदेश में 107 सक्षम आंगनबाड़ी केंद्रों एवं 242 आदर्श आगनबाड़ी केंद्रों पर पोषण वाटिकाएँ विकसित की जा चुकी हैं। अन्य आंगनबाड़ी केंद्रों पर भी स्थान एवं वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर पोषण वाटिकाएँ विकसित की जाएगी। महिला एवं बाल विकास मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य संदीप शर्मा द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रही थी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के मानदेय में समय-समय पर वृद्धि की जाती रही है।

विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने उठाई वकीलों के चैंबर की मांग, कहा- चैंबर है या थड़ी, बैठने की जगह तक नहीं

जयपुर/भरतपुर। राजस्थान विधानसभा के बजट सत्र के दौरान प्रश्नकाल में पूर्व मंत्री और भरतपुर विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने प्रदेश के न्यायालयों में अधिवक्ताओं की दयनीय स्थिति का मुद्दा पुरजोर तरीके से उठाया। उन्होंने सरकार का ध्यान वकीलों के बैठने के लिए पर्याप्त स्थान और मूलभूत सुविधाओं के अभाव की ओर खींचा। भरतपुर संभाग मुख्यालय का दिया हवाला डॉ. गर्ग ने विधानसभा के पटल पर भरतपुर का उदाहरण देते हुए कहा कि संभाग मुख्यालय जैसे महत्वपूर्ण स्थान पर भी अधिवक्ताओं के लिए चैंबरों का भारी अभाव है। उन्होंने आंकड़ों के जरिए बताया कि भरतपुर में वर्तमान में 144 अधिवक्ता पंजीकृत हैं। उनके बैठने के लिए मात्र 36 चैंबर ही उपलब्ध हैं। विधायक ने तंज कसते हुए और पीड़ा जाहिर करते हुए कहा, हालत यह है कि वकीलों के बैठने की जगह चैंबर न लगकर किसी 'थड़ी' (छोटा खोखा) जैसी लगती है। वहां न तो अधिवक्ता सम्मानपूर्वक बैठ पाते हैं और न ही अपने मुवक्किलों से केस पर चर्चा कर पाते हैं। डॉ. गर्ग ने सरकार से आग्रह किया कि जिस तरह न्यायपालिका अपने निर्णयों और प्रशासनिक व्यवस्था के माध्यम से सरकार से सुविधाएं प्राप्त कर लेती है, उसी प्रकार सरकार को भी अधिवक्ताओं के हितों की चिंता करनी चाहिए।

साध्वी की 'संदिग्ध मौत' की जांच की मांग को लेकर श्रद्धालुओं ने प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान के जोधपुर में एक महिला धार्मिक उपदेशक की अपने आश्रम में 'बुखार' के उपचार के दौरान कथित तौर पर 'अचेत' होने के बाद मौत हो गई जिसके बाद श्रद्धालु आक्रोशित हो उठे और उन्होंने अचानक और 'संदिग्ध मृत्यु' की निष्पक्ष जांच की मांग की है। साध्वी की मृत्यु के बाद बुधवार शाम को उनके आधिकारिक 'इंस्टाग्राम हैंडल' पर पोस्ट किए गए एक कथित आत्महत्या नोट से उनकी मौत को लेकर कई सवाल खड़े हो गए। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी)-पश्चिम छवि शर्मा ने बताया कि 25 वर्षीय साध्वी को उसके पिता और एक युवक शाम करीब छह बजे कार में एक निजी अस्पताल लेकर आए थे।

अधिकारी ने बताया कि जांच के बाद चिकित्सकों ने साध्वी को मृत घोषित कर दिया। एसीपी ने कहा, हमने शव को सरकारी अस्पताल ले जाने की व्यवस्था कर

ली है, जहां आज पोस्टमार्टम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि साध्वी को बुखार था और इंजेक्शन लगाने के लिए आश्रम में एक कंपाउंडर को बुलाया गया था, जिसके बाद वह अचेत हो गईं।पुलिस ने बताया कि साध्वी ने आश्रम में ही दवाइयां ली थीं। साध्वी की मृत्यु की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु आश्रम में एकत्रित हो गए। उन्होंने नारेबाजी की और साध्वी की 'अचानक और संदिग्ध मृत्यु' की निष्पक्ष जांच की मांग की। साध्वी ने इंस्टाग्राम पर अपने आखिरी पोस्ट में एक 'अग्निपरीक्षा' का जिक्र किया, और कहा कि उन्हें अपनी मृत्यु के बाद 'न्याय' की उम्मीद है।

साध्वी ने लगभग छह महीने पहले पुलिस से संपर्क किया था और आरोप लगाया था कि उनके कुछ कर्मचारियों द्वारा 'छेड़छाड़ किए गए' एक वीडियो को लेकर उन्हें ब्लैकमेल किया जा रहा है। उन्होंने कथित तौर पर चरित्रहनन किए जाने और वीडियो के लिए 20 लाख रुपये की मांग किए जाने का आरोप लगाया था।

अंडमान को आयुष्मान भारत योजना के तहत सर्वश्रेष्ठ केंद्र शासित प्रदेश का पुरस्कार मिला

श्री विजय पुरम/भाषा। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) के तहत 'लाभार्थियों के उपचार' श्रेणी में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को सर्वश्रेष्ठ केंद्र शासित प्रदेश का पुरस्कार दिया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह पुरस्कार एबी-पीएमजेएवाई योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के सम्मान स्वरूप प्रदान किया गया।

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के मुख्य सचिव चंद्र भूषण कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, मैं एबी-पीएमजेएवाई के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पूरी टीम की सराहना करता हूं। इस तरह का सम्मान जनसेवा करते समय टीम को हमेशा प्रोत्साहित करता है।

इस केंद्र शासित प्रदेश में एबी-पीएमजेएवाई के 83,538 लाभार्थी हैं जिनमें 41,450 महिलाएं हैं।

देश की 97 प्रतिशत ग्राम पंचायतों में भारतनेट कनेक्टिविटी उपलब्धः ज्योतिरादित्य सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बृहस्पतिवार को कहा कि देशभर की 97 प्रतिशत ग्राम पंचायतों में भारतनेट कनेक्टिविटी उपलब्ध करा दी गई है।

राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए सिंधिया ने कहा कि भारतनेट दुनिया की सबसे बड़ी ग्रामीण दूरसंचार परियोजनाओं में से एक है और इसे चरणबद्ध तरीके से देश की सभी ग्राम पंचायतों तक ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा, भारतनेट-एक और दो परियोजनाओं के तहत चिन्हित लगभग 2,22,000 ग्राम पंचायतों में से 2,15,000 ग्राम पंचायतों को पहले ही कनेक्टिविटी प्रदान की जा चुकी है। इसका अर्थ है कि 97 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 100 प्रतिशत कवरेज हासिल न हो पाने के पीछे कुछ क्षेत्रों की भौगोलिक स्थिति, उनसे जुड़ी

कठिनाइयां और वामपंथी उग्रवाद जैसी चुनौतियां प्रमुख कारण हैं। उन्होंने बताया कि शेष लगभग तीन प्रतिशत लक्ष्य, यानी करीब 7,000 ग्राम पंचायतों में अब तक कनेक्टिविटी नहीं पहुंच पाई है, क्योंकि ये क्षेत्र अत्यंत पहाड़ी, दुर्गम हैं और कुछ स्थानों पर वामपंथी उग्रवाद की समस्या भी है।

सिंधिया ने कहा कि परियोजना के शुरुआती चरण में 'राइट ऑफ वे' प्राप्त करने में काफी कठिनाई हो रही थी, जिसके बाद सरकार ने इस संबंध में राजपत्रित अधिसूचना जारी की। उन्होंने बताया कि 'राइट ऑफ वे' का तात्पर्य सार्वजनिक और निजी संपत्तियों पर दूरसंचार सेवा प्रदाताओं द्वारा बुनियादी ढांचे की स्थापना करने और उनके संचालन से जुड़े नियमों और अधिकारों से है। सिंधिया ने कहा कि अब संबंधित राज्य सरकारों को यह बताया जा रहा है कि 'राइट ऑफ वे' प्राप्त करने में कोई बाधा नहीं होनी चाहिए।

भारतनेट परियोजना को 25 अक्टूबर 2011 को केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी मिली थी। इस परियोजना का क्रियान्वयन एक विशेष प्रयोजन इकाई 'भारत ब्रॉडबैंड नेटवर्क लिमिटेड' (बीबीएनएल) द्वारा किया जा रहा है, जिसकी स्थापना 25 फरवरी 2012 को भारतीय कंपनी अधिनियम, 1956 के तहत की गई थी। उन्होंने बताया कि 30 अप्रैल 2016 को दूरसंचार आयोग ने इस परियोजना को तीन चरणों में लागू करने की स्वीकृति दी थी।

'मिया' वाली टिप्पणी पर मेरी आलोचना करने वाले पढ़ें उच्चतम न्यायालय का आदेश : हिमंत शर्मा

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'मिया' टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधने वालों को उच्चतम न्यायालय का वह आदेश पढ़ना चाहिए, जिसमें राज्य पर 'चुपचाप और द्वेषपूर्ण जनसांख्यिकीय आक्रमण' का उल्लेख किया गया है। मुख्यमंत्री ने हाल ही में एक बयान में कहा था कि राज्य में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान 'मिया' समुदाय के लोगों को 'परेशान' किया जा रहा है, क्योंकि उन्हें असम में मतदान करने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

शर्मा ने अवैध रूप से भारत में दाखिल होने वाले बांग्लादेशी मुसलमानों के लिए 'मिया' शब्द का इस्तेमाल किया है। उन्होंने दावा किया कि एसआईआर की इस प्रक्रिया में किसी भी असमिया व्यक्ति- हिंदू या मुस्लिम- को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़ रहा है। विपक्षी दलों ने शर्मा की इस टिप्पणी के लिए उनकी आलोचना की है। मुख्यमंत्री शर्मा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''जो लोग 'मिया' पर मेरी टिप्पणी के लिए मुझ पर निशाना साध रहे हैं, उन्हें यह पढ़ना चाहिए कि उच्चतम न्यायालय ने असम के बारे में क्या कहा है।'' असम में अवैध रूप से दाखिल होने वाले बांग्लादेशी मुसलमानों को 'मिया' कहा जाता है। उन्होंने वर्ष 2005 में उच्चतम न्यायालय द्वारा अवैध प्रवासी (न्यायाधिकरण द्वारा निर्धारण) अधिनियम, 1983 (आईएमडीटी अधिनियम) को रद्द करते हुए दिए गए फैसले का हवाला देते हुए यह बात कही।

दुर्लभ प्रजाति के 1200 से ज्यादा कछुए बरामद, तीन तस्कर गिरफ्तार

अमेठी (उप्र)/भाषा। अमेठी जिले के मुंशीगंज क्षेत्र में बृहस्पतिवार को पुलिस ने दुर्लभ प्रजाति के 1200 से ज्यादा कछुए बरामद कर तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने बताया कि मुंशीगंज क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान पुलिस ने एक छोटे ट्रक की तलाशी ली और उसमें से दुर्लभ प्रजाति के 1203 कछुए बरामद किए। इनकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगभग 30 लाख रुपए बताई गई है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मौके से तीन तस्करों - रमेश, राजेश और वीरेन्द्र विक्रम को गिरफ्तार किया है। कौशिक ने बताया कि पकड़े गए आरोपी कछुओं को जगदीशपुर से बनारस बेचने के लिए जा रहे थे।

भारत में प्रति 10 लाख लोगों पर 22 न्यायाधीश : कानून मंत्री

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा को बताया कि भारत में प्रति 10 लाख आबादी पर करीब 22 न्यायाधीश हैं। विधि आयोग ने 1987 में अपनी 120वीं रिपोर्ट में प्रति 10 लाख जनसंख्या पर 50 न्यायाधीशों का अनुपात रखने की सिफारिश की थी। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने एक सवाल के लिखित जवाब में कहा कि वर्तमान में, देश में न्यायाधीशों का अनुपात प्रति दस लाख जनसंख्या पर लगभग 22 न्यायाधीश है। उन्होंने कहा, ''किसी खास वर्ष में प्रति दस लाख जनसंख्या पर न्यायाधीशों के अनुपात की गणना करने के लिए, विधि एवं न्याय मंत्रालय 2011 की जनगणना के आंकड़ों और वर्ष 2026 में उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालयों और जिला एवं अधीनस्थ न्यायालयों में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या के आधार पर मानदंड का उपयोग करता है।''

मेघवाल ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में देश में विचाराधीन कैदियों की संख्या 3,89,910 थी। मेघवाल ने कहा कि मामलों का निपटारा न्यायपालिका के अधिकार क्षेत्र में आता है। अदालतों में मामलों के लंबित रहने के कई कारण हैं, जिनमें तथ्यों की जटिलता, साक्ष्य की प्रकृति, हितधारकों (बार, जांच एजेंसियां, गवाह और वादी) का सहयोग, भौतिक बुनियादी ढांचे और कर्मचारियों की उपलब्धता आदि शामिल हैं।

शाहजहांपुर में मामी से प्रेम संबंध के कारण भांजे ने मामा की गला रेत कर हत्या की

शाहजहांपुर (उप्र)/भाषा। शाहजहांपुर जिले में कथित रूप से मामी से प्रेम प्रसंग को लेकर 22 वर्षीय युवक ने अपने मामा की गला रेतकर हत्या कर दी। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजेश द्विवेदी ने बताया कि सीतापुर जिले के निवासी आरोपी आदेश ने बुधवार रात बलराम (30) की धारदार हथियार से प्रहार कर हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि आदेश अपने साथ दो अन्य साथियों को लेकर भाटिपुरा चंदू गांव में बलराम के घर पहुंचा और उस पर हमला कर दिया, जिससे बलराम की मौके पर ही मौत हो गई। द्विवेदी ने बताया कि घटना की जानकारी बृहस्पतिवार सुबह मिली, जब बलराम के भाई ने चारपाई पर शव देखकर पुलिस को सूचित किया। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला कि आदेश का बलराम की पत्नी के साथ कथित रूप से प्रेम प्रसंग था।

यूजीसी मामले पर उच्चतम न्यायालय का आदेश लोकतंत्र की जीत : अलंकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

एटा/हाथरस (उप्र)/भाषा। सरकार की नीतियों और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों के विरोध में हाल ही में इस्तीफा देने वाले बरेली के पूर्व नगर मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने बृहस्पतिवार को उच्चतम न्यायालय द्वारा यूजीसी मामले में अपनाए गए रुख का स्वागत करते हुए इसे ''लोकतंत्र और राष्ट्र की आत्मा की जीत'' करार दिया।

अग्निहोत्री ने सरकार की नीतियों और यूजीसी के नए नियमों का विरोध करते हुए गत सोमवार को इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, उनका इस्तीफा नामंजूर करते हुए उन्हें अनुशासनहीनता के आरोप में निलंबित कर दिया गया है।

अग्निहोत्री ने हाथरस में एक जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि यह दिन लोकतंत्र और राष्ट्र की आत्मा की जीत का प्रतीक है। यह जीत न्यायपालिका के माध्यम से मिली है।

अग्निहोत्री ने एटा के शहीद पार्क इलाके में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि उनके फैसले सिद्धांतों पर आधारित थे, न कि व्यक्तिगत विचारों पर। अग्निहोत्री ने दावा किया कि उन्हें झूठे मामलों में फंसाने की तैयारी चल रही है मगर वह जनता के मुद्दों को उठाते रहेंगे।

महिला रोजगार योजना के लाभुकों को दो लाख रुपए तक अतिरिक्त सहायता देने की प्रक्रिया शुरू : कुमार

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को कहा कि मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत चयनित लाभुकों को दो लाख रुपए तक की अतिरिक्त वित्तीय सहायता प्रदान करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह राशि चरणबद्ध तरीके से दी जाएगी, बशर्ते पूर्व में दी गई सहायता राशि का सदुपयोग कर लाभुकों ने रोजगार शुरू किया हो। उन्होंने कहा कि यदि रोजगार सुचारू रूप से चल रहा हो तो आवश्यकता के अनुसार एकमुश्त राशि भी प्रदान की जा सकती है।

यूजीसी नियमों पर न्यायालय की रोकः फैसला सनातन धर्म की रक्षा के लिए अहम : सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा जातिगत भेदभाव को रोकने के लिए हाल में अधिसूचित विवादास्पद नियमों पर उच्चतम न्यायालय की रोक का बृहस्पतिवार को स्वागत करते हुए दावा कि इसके प्रावधान सनातन धर्म को विभाजित करने वाले थे।

केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने कहा कि शीर्ष अदालत का फैसला भारत की सांस्कृतिक एकता और सनातन मूल्यों की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को विश्वविद्यालय परिसर में जाति आधारित भेदभाव को रोकने से संबंधित हालिया यूजीसी समानता विनियमन पर रोक लगा दी और कहा कि ये विनियम प्रथम दृष्टया ''अस्पष्ट'' प्रतीत होते हैं और इनका ''दुरुपयोग'' किए जाने की आशंका है।

शीर्ष अदालत ने मौखिक रूप से टिप्पणी की कि अगर इस मामले में हस्तक्षेप नहीं किया गया तो इसका खतरनाक प्रभाव पड़ेगा और समाज में विभाजन पैदा होगा।

केंद्रीय कपड़ा मंत्री ने इस घटनाक्रम पर टिप्पणी करते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''सनातन धर्म को विभाजित करने वाले यूजीसी नियमों पर रोक लगाने के लिए उच्चतम न्यायालय के प्रति हार्दिक आभार।''

उन्होंने कहा, ''यह निर्णय भारत की सांस्कृतिक एकता और सनातन मूल्यों की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।''

बिहार के लोकसभा सदस्य सिंह ने कहा, ''मोदी सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' और सनातन धर्म की अटूट एकता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए जानी जाती है।''

दस साल रही बेरोजगार, खेलरत्न के लिए बारंबार अनदेखी लेकिन पद्मश्री ने सारे मलाल दूर किए : सविता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय टीम में आने के बाद भी दस साल तक बेरोजगार रही, खेलरत्न के लिए बारंबार अनदेखी हुई लेकिन भारतीय हॉकी की दीवार कही जाने वाली सविता पूनिया ने हिम्मत नहीं हारी और अब पद्मश्री मिलने के बाद उन्हें खुशी है कि परिवार के बलिदान बेकार नहीं गए ।

तीन सौ से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली पहली महिला हॉकी गोलकीपर सविता ने कहा ,'' मेरे परिवार ने मेरा संघर्ष देखा है और मेरी सफलता भी देखी है तो उनकी ख्वाहिश थी कि मुझे सम्मान मिलते भी देखे । पद्मश्री के लिए चुने जाने पर अब मेरा पूरा सफर फ्लैशबैक में घूम रहा है कि कहां से शुरू किया और कहां उतार चढाव आये ।'' उन्होंने बताया कि 2003 में सातवीं कक्षा में पढने के दौरान गांव के सरकारी स्कूल के शिक्षक के सुझाव पर पहली बार उनके पापा महेंद्र सिंह पूनिया सिरसा ट्रायल के लिए ले गए थे जहां उनका हॉकी में चयन हुआ । सविता ने कहा ,'' मेरी मम्मी को गठिया बाव बीमारी थी और वह पूरी तरह से बिस्तर पर थी । मैं रसोई संभालती थी और नौकरी के साथ उनका पूरा काम पापा ही करते थे । ऐसे हालात में उन्होंने मुझे हॉकी खेलने के लिए भेजा । वह भी ऐसे समय में जब लड़के और लड़कियों में इतना भेदभाव होता था ।'' अपनी मां की हालत की वजह से सविता का मन हॉस्टल में नहीं लगा और उसने हॉकी छोड़ने का मन बना लिया लेकिन तत्कालीन कोच सुंदर सिंह खरब ने उन्हें गोलकीपर बनाने का सुझाव दिया लेकिन कहा कि गोलकीपिंग किट की व्यवस्था करनी होगी क्योंकि उनके पास दो ही किट का बजट था जो वे दे चुके थे । सविता ने कहा ,'' उस समय मेरे पापा ने 18000 रुपए में गोलकीपिंग किट खरीदी जो उनकी दो महीने की तनख्वाह थी । मैं उस दिन बहुत रोई क्योंकि मुझे पता था कि उन पैसों की क्या कीमत थी । मैने उस दिन सोचा कि अब अपने माता पिता की खातिर भारतीय टीम में जगह बनाना है ।'' वह 2008 में भारतीय टीम में चुनी गई और इसने उनके दादा को अलग तरह से प्रेरित किया ।

सविता ने बताया ,''सिरसा से भारतीय टीम में आने वाली मैं पहली लड़की थी । अखबार में छपा था कि रणजीत सिंह पूनिया की पोती भारतीय टीम में चुनी गई । दादाजी पढे लिखे नहीं थे लेकिन उन्होंने 67 साल की उम्र में मेरी दीदी की बेटी से पढना सीखा ताकि वह खबर खुद पढ सकें ।'' उसने आगे कहा ,'' उनके इस जज्बे को देखकर उस दिन मैने तय किया कि कभी किसी चुनौती से हार नहीं मानूंगी और दूसरी लड़कियों के लिए प्रेरणा बनूंगी कि अगर मैं कर सकती हूं तो हर लड़की कर सकती है ।'' चुनौतियां हालांकि टीम में आने भर तक नहीं थी बल्कि अगले दस साल बेरोजगारी का दंश सविता ने झेला और लोगों के ताने परिवार ने ।

सविता ने कहा ,'' मैं 2008 में टीम में आई और 2018 तक बेरोजगार थी । वाकई हालात बहुत खराब थे । जब मैं टीम के साथ पहली बार विदेश जा रही थी तब हवाई अड्डे पर पापा ने 5000 रुपए दिए और भाई ने दो हजार रुपए दिए जो वह अपने दोस्त से उधार लाया था । वह मेरे लिए दो लाख रुपए से कम नहीं थे ।'' उसने आगे कहा ,'' फिर 2018 में अर्जुन पुरस्कार मिला तो मेरी मां का पहला सवाल था कि क्या अब नौकरी मिल जायेगी । रिश्तेदार पूछते थे कि इतने साल से भारतीय टीम में है और अभी तक नौकरी नहीं मिली तो खेलने का क्या फायदा । लेकिन परिवार का साथ मेरी प्रेरणा बना और मैने ठान लिया था कि कुछ बड़ा करना है ।' पद्मश्री से पहले सविता को खेलरत्न पुरस्कार मिलने की काफी उम्मीदें थी लेकिन इतनी उपलब्धियों के बावजूद इस बार भी सूची में नाम नहीं आने से उनका दिल टूट गया था ।

फॉर्म-7 के दुरुपयोग को रोके और स्वतंत्र जांच कराए निर्वाचन आयोग : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने 12 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान फॉर्म-7 के कथित दुरुपयोग पर चिंता व्यक्त करते हुए बृहस्पतिवार को निर्वाचन आयोग से आग्रह किया कि इससे संबंधित सभी संदिग्ध मामलों की प्रक्रिया रोकी जाए तथा स्वतंत्र जांच कराई जाए।

पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखकर दावा किया कि फॉर्म-7 का दुरुपयोग कर पात्र मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं। उनका यह भी कहना है कि फॉर्म-7 से संबंधित संपूर्ण आंकड़े सार्वजनिक किए जाने चाहिए।

फॉर्म-7 मतदाता सूची में किसी व्यक्ति के नाम के शामिल होने पर आपत्ति जताने या पहले से सूचीबद्ध नाम को हटाने का अनुरोध करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला आधिकारिक आवेदन पत्र है।

महासचिव केसी वेणुगोपाल ने पत्र में कहा, ''हम इस आयोग का ध्यान एक अत्यंत गंभीर और चिंताजनक विषय की ओर आकृष्ट करना चाहते हैं, जो विशेष गहन पुनरीक्षण के अंतर्गत दावा एवं आपत्तियां दर्ज कराने के चरण में योग्य मतदाताओं के नामों को गलत तरीके से हटाए जाने से संबंधित है।''

खरगे और राहुल से मिलकर थरूर ने कहा : हम साथ-साथ हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने नाराजगी की खबरों के बीच बृहस्पतिवार को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की तथा कहा कि सब कुछ ठीक है और सब एकसाथ हैं।

खरगे के संसद भवन स्थित कार्यालय में यह मुलाकात हुई। थरूर ने इस मुलाकात को बहुत अच्छी, सार्थक और सकारात्मक करार दिया।

कांग्रेस नेतृत्व ने केरल के अपने इस वरिष्ठ नेता की नाराजगी दूर करने का प्रयास ऐसे वक्त किया है, जब कुछ महीने बाद राज्य में विधानसभा चुनाव होना है, जो पार्टी के लिए महत्वपूर्ण है।

केरल में इस साल अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव संभावित है। पार्टी 2016 से राज्य में विपक्ष की भूमिका में है।

कांग्रेस के दोनों शीर्ष नेताओं के साथ मुलाकात के बाद थरूर ने संवाददाताओं से कहा, ''अपनी पार्टी के दो नेताओं- नेता प्रतिपक्ष (राहुल गांधी) और कांग्रेस अध्यक्ष (खरगे)- के साथ बात की। हमारी बातचीत बहुत अच्छी, सार्थक, सकारात्मक रही। सब ठीक है और हम सब एक साथ हैं।''

यह पूछे जाने पर कि क्या वह खुश हैं और अब चुनाव प्रचार करेंगे तो उन्होंने कहा, ''मैंने हमेशा पार्टी के लिए प्रचार किया है, मैंने कहां प्रचार नहीं किया है?''

मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवारों के बारे में पूछे जाने पर तिरुवनंपुरम से लोकसभा सदस्य ने कहा, ''नहीं, उस बारे में कभी बात नहीं हुई। मुझे किसी भी चीज के लिए उम्मीदवार बनने में कोई दिलचस्पी नहीं है। पहले से ही मैं सांसद हूं और मेरे ऊपर तिरुवनंतपुरम के अपने मतदाताओं का विश्वास है तथा मुझे संसद में उनके हितों का ध्यान रखना है, यही मेरा काम है।''

बाद में थरूर ने 'एक्स' पर राहुल गांधी और खरगे के साथ एक तस्वीर साझा की और कहा, ''आज कई विषयों पर गर्मजोशी से चर्चा हुई और सार्थक चर्चा के लिए खरगे जी तथा राहुल गांधी जी का धन्यवाद। भारत के लोगों की सेवा के लिए हम सब एकसाथ हैं।''

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना खुद का इतिहास रचना चाहते हैं नोवाक जोकोविच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेलबर्न/एपी। पुरुष टेनिस के इतिहास में सबसे सफल खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में यानिक सिनर के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और वह खुद का इतिहास रचने पर ध्यान दे रहे हैं।

अब तक रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले जोकोविच जब सिनर के खिलाफ मुकाबले के संदर्भ में सवालों का जवाब दे रहे थे तब एक सवाल पर उन्हें अपमान महसूस हुआ। जोकोविच वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 11वां खिताब जीतने की कवायद में हैं। जोकोविच से उस दौर से तुलना करने के लिए कहा गया जब उन्होंने टेनिस जगत में कदम रखा था तथा उस समय रोजर फेडरर और राफेल नडाल शीर्ष पर थे और अब जबकि सिनर और कार्लोस अल्काराज़ ने पिछले दो सत्र से उन्हें कोई भी ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने से रोक रखा है। जोकोविच ने सवालिया अंदाज में कहा, ''मैं यानिक और कार्लोस का पीछा कर रहा हूं। किस अर्थ में। मैं हमेशा पीछा करने वाला खिलाड़ी ही रहा हूं। मेरा कभी पीछा नहीं किया जाता।'' उन्होंने कहा, ''मुझे यह थोड़ा अपमानजनक लगता है कि आप उस दौर के बीच की घटनाओं को नजरअंदाज कर रहे हैं जब मैंने आपके अनुसार राफा और रोजर का पीछा करना शुरू किया था और अब मैं कार्लोस और यानिक का पीछा कर रहा हूं। शायद बीच में लगभग 15 साल का ऐसा समय था जब मैं ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में अपना दबदबा बनाए हुए था।'' जोकोविच ने कहा, ''इसे सही परिप्रेक्ष्य में देखना महत्वपूर्ण है। सच कहूं तो मुझे ऐसा नहीं लगता कि मैं किसी का पीछा कर रहा हूं। मैं अपना खुद का इतिहास रच रहा हूं।''

राष्ट्रमंडल देशों के पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन का सफल आयोजन हुआ : ओम बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने हाल में सपन्न राष्ट्रमंडल देशों की संसदों के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन का उल्लेख बृहस्पतिवार को लोकसभा में किया और कहा कि सभी अतिथियों ने भारत के सशक्त और जीवंत संसदीय लोकतंत्र की सराहना की।

उन्होंने कहा, ''माननीय सदस्यगण, मुझे आपको बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि भारतीय संसद द्वारा 14 से 16 जनवरी, 2026 के बीच राष्ट्रमंडल देशों की संसदों के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों का 28वां सम्मेलन सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह सम्मेलन 16 वर्षों के बाद भारत में आयोजित किया गया।'' बिरला ने सदन को बताया कि सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 जनवरी को ऐतिहासिक संविधान सदन (पुराने संसद भवन) के केंद्रीय कक्ष में किया। उनका कहना था, ''यह सम्मेलन 53 राष्ट्रमंडल देशों और 14 अर्ध स्वायत्त संसदों के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों को एक मंच पर लाया। मुझे आपको सूचित करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि इस सम्मेलन में रिकॉर्ड 60 अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों और लगभग 200 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।''

सुविचार

आंखे सिर्फ नजर देती हैं पर हम कहां कब और क्या देखते हैं यह मन की भावना पर निर्भर करता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

समरसता से बनाएं सशक्त भारत

यूजीसी को उच्चतम न्यायालय से बहुत बड़ा झटका लगा है। यह लगना ही था। उसने उच्च शिक्षण संस्थानों में भेदभाव को रोकने के लिए जो नियम लागू किए थे, उनमें भारी विरोधाभास था। न्यायालय ने इन पर रोक लगाकर देश को अनर्थ से बचा लिया। ये नियम सामाजिक समरसता के लिए खतरा थे। इनके जरिए एक बड़े वर्ग के साथ अन्याय होने की पूरी आशंका थी। न्यायालय के कारण यह देश एक भयंकर सुनामी से बच गया। अगर यूजीसी के उक्त नियम लागू रहते तो कुछ ही दिनों में ऐसे दृश्य देखने को मिलते, जिनकी किसी ने कल्पना नहीं की होगी। जिन लोगों पर नियम बनाने की ज़िम्मेदारी थी, वे इतने ग़ैर-ज़िम्मेदार कैसे हो सकते हैं? उन्होंने यह आकलन नहीं किया था कि इनका सर्वसमाज पर क्या असर पड़ेगा? क्या विदेशी आक्रांताओं ने हमें कम बांटा था, जो अब युवाओं के मन में सामाजिक विभाजन के बीज बोने चले थे? इन नियमों की शब्दावली साफ बताती है कि ये एकतरफा हैं। लिखने वाले ने दूसरे पक्ष के बारे में सोचा ही नहीं होगा। अगर ऐसा सोच-समझकर लिखा गया था तो यह एक बहुत बड़ी साजिश थी। देश के युवाओं को ऐसे खतरनाक प्रयोगों से बख्श दें। एक सामान्य बुद्धि का व्यक्ति भी इन नियमों को पढ़कर बता सकता है कि ये भेदभाव को कम नहीं करेंगे, बल्कि बढ़ाएंगे। क्या ज़िम्मेदारों ने यह सोचा था कि 'हम नियम बनाकर थोप दें, देश के युवा भुगतते रहें'? इन नियमों से कितनी समानता आई, यह देखने के लिए यूजीसी के अधिकारी महाविद्यालयों में जाकर देखें। इतने दिनों में ही विद्यार्थी कई गुटों में बंट गए, वे एक-दूसरे को संदेह की दृष्टि से देखने लगे। क्या हम ऐसे महाशक्ति बनेंगे? जब युवा शक्ति ही बिखरने लगी तो राष्ट्र कैसे शक्तिशाली बन सकता है? ध्यान रहे, फिर यह सिलसिला यहीं नहीं थमता। लोग मोहल्लों, कार्यस्थलों, सार्वजनिक स्थानों पर भी जातियों में बंटकर रहते।

यूजीसी के ये नियम दुर्भावना को बढ़ावा देते। इनसे ब्लैकमेलिंग, उत्पीड़न और शोषण के नए-नए रास्ते खुल जाते। इनसे उद्दंड प्रवृत्ति के विद्यार्थियों को एक खतरनाक हथियार मिल जाता। वे इनका जमकर फायदा उठाते। इन नियमों की वजह से सामान्य वर्ग की युवतियों का पढ़ना-लिखना मुश्किल हो जाता। किसी प्रेम प्रस्ताव को ठुकराने का बदला जातिगत भेदभाव का झूठा आरोप लगाकर लिया जा सकता था। उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई की जगह शिकायतों की झड़ी लग जाती, क्योंकि झूठा आरोप लगाने वाले आजाद घूमते। उन्हें सजा का कोई डर ही न रहता। सोचिए, यूजीसी के इन नियमों से कैसा भारत बनता? क्या युवाओं के मन में प्रतिशोध का विष घोलकर देश सुरक्षित रहता? ऐसी स्थिति में बाहरी दुश्मन की जरूरत नहीं पड़ती। लोग ही एक-दूसरे के दुश्मन बन जाते। उच्च शिक्षण संस्थानों में रैगिंग एक बड़ी समस्या है। इसके कारण कई विद्यार्थी जान गंवा चुके हैं। सोचिए, अगर कोई खुराफाती छात्र इन नियमों का इस्तेमाल कर किसी को फंसाता तो क्या होता? पीड़ित छात्र निर्दोष होने की कसमें खाता और खुद ही शोषक कहलाता। ये नियम समाज को आगे लेकर नहीं जाते, बल्कि अंधकार के युग में धकेल देते। हमने हाल में 77वां गणतंत्र दिवस मनाया है। इतने वर्षों में देशवासियों में बहुत जागरूकता आई है। जातिगत भेदभाव बहुत कम हो गया है। जातिवाद की दीवार ढह चुकी है। उसके कुछ चिह्न जरूर बचे हैं, जो एक-डेढ़ दशक में लुप्त हो सकते हैं। उक्त नियम विद्यार्थियों के बीच जातिवाद की एक ऊंची दीवार खड़ी कर देते। लोग दोस्ती करने से पहले एक-दूसरे की जाति पूछते। क्या इससे सामाजिक न्याय मिलता? समरसता बढ़ती? राष्ट्रीय एकता मजबूत होती? कोई भी नियम-कानून बनाने से पहले याद रखें- यह देश हम सबका है। सब मिलकर रहेंगे तो उन्नति करेंगे। अगर आपसी विश्वास की डोर तोड़ेंगे तो देश कमजोर होगा। कई शक्तियां इसी ताक में बैठी हैं कि भारत कमजोर हो तो वे अपने मंसूबे पूरे करें। उन्हें तालियां बजाने का मौका न दें। समरसता से सशक्त भारत बनाएं।

ट्वीटर टॉक

गौ रक्षक, सत्यवादी परम आराध्य लोक देवता वीर तेजाजी महाराज को उनके जन्मोत्सव पर कोटि-कोटि नमन। श्री तेजाजी महाराज वचनबद्धता, सत्यनिष्ठा एवं वीरता की अनुपम मिसाल हैं, जिनका जीवन आज भी समाज को सत्य, धर्म और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

-अशोक गहलोत

राज्य सरकार द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के मानदेय में समय-समय पर वृद्धि की जाती रही है। साथ ही भारत सरकार के स्तर पर भी मानदेय एवं अन्य मदों में देय राशि में वृद्धि किए जाने हेतु नियमित रूप से अनुरोध किया जाता है।

-दिया कुमारी

लोकदेवता श्री वीर तेजाजी महाराज के पावन जन्मोत्सव पर आप सभी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। तेजाजी महाराज का अदम्य पराक्रम, सत्य के प्रति उनकी निष्ठा और जनसेवा की प्रेरणा हम सभी को धर्म, कर्तव्य और लोककल्याण के मार्ग पर अग्रसर होने की शक्ति दे।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

धैर्य से शक्ति

एक बार एक युवक एक शांत आश्रम पहुंचा। वह बोला'मैं बहुत कोशिश करता हूं, पर लोग मुझे पहचानते नहीं।' वृद्ध साधु उसे एक पेड़ के नीचे ले गए और ज़मीन पर गिरे बीज की ओर इशारा किया। बोले'यह बीज अभी दिखता नहीं, पर क्या इसलिए वह व्यर्थ है?' फिर साधु बोले 'जो सच में बढ़ता है, वह पहले भीतर जड़ें फैलाता है। शोर ऊपर होता है, शक्ति नीचे।' युवक को बोध हुआ कि उसकी चिंता पहचान की नहीं, तैयारी की होनी चाहिए। साधु ने अंत में कहा 'समय से पहले निकली टहनी टूट जाती है, और धैर्य से पली जड़ें तूफ़ान में भी खड़ी रहती हैं। यही कारण है कि प्रकृति कभी जल्दी नहीं करती, फिर भी सब कुछ समय पर हो जाता है।' युवक ने साधु से आशीर्वाद लिया और अपने रास्ते चल दिया।

सामयिक

युवाओं में बढ़ता मानसिक अवसाद

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

भारत के युवाओं का मानसिक स्वास्थ्य आज जिस संकट के दौर से गुजर रहा है, वह केवल व्यक्तिगत पीड़ा की कथा नहीं है, बल्कि राष्ट्र के भविष्य से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन चुका है। हाल ही में दिल्ली में आयोजित भारतीय मनोरोग विज्ञान संस्था के 77 वें राष्ट्रीय सम्मेलन ने इस सच्चाई को पूरे समाज के सामने रख दिया है कि देश में मानसिक विकारों का सबसे बड़ा भार अब युवाओं के कंधों पर आ चुका है। सम्मेलन में प्रस्तुत शोध और अनुभव बताते हैं कि मानसिक रोग अब जीवन के उत्तरार्ध में नहीं, बल्कि किशोरावस्था और युवावस्था में ही अपनी जड़ें जमा रहे हैं। यह वही समय होता है जब व्यक्ति शिक्षा ग्रहण करता है, अपने सपनों को आकार देता है और समाज व राष्ट्र के लिए उपयोगी नागरिक बनने की ओर बढ़ता है। ऐसे में यदि मन ही अस्वस्थ हो जाए, तो न केवल व्यक्ति टूटता है, बल्कि सामाजिक संरचना भी कमजोर पड़ती है।

विशेषज्ञों के अनुसार भारत में पाए जाने वाले कुल मानसिक विकारों में से लगभग साठ प्रतिशत मामले पैंतीस वर्ष से कम आयु के लोगों में देखे जा रहे हैं। यह तथ्य अपने आप में भयावह है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किए गए एक व्यापक अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ है कि एक तिहाई से अधिक मानसिक विकार चौदह वर्ष की आयु से पहले ही शुरू हो जाते हैं और अधिकांश समस्याएँ पच्चीस वर्ष तक सामने आ जाती हैं। भारत में मानसिक रोगों की औसत शुरुआत की आयु उन्नीस से बीस वर्ष के बीच बताई गई है। ध्यान की कमी, अत्यधिक चंचलता, चिंता, अवसाद, भोजन से जुड़ी समस्याएँ, नशे की लत और व्यवहार संबंधी विकार अब बहुत कम उम्र में दिखाई देने लगे हैं। इन रोगों की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि ये अक्सर शांत रूप से व्यक्ति के भीतर पनपते रहते हैं और समय पर पहचान व उपचार न मिलने पर जीवन की दिशा ही बदल देते हैं।

युवाओं में बढ़ते मानसिक संकट का एक भयावह पहलू आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्ति है। वैश्विक स्वास्थ्य संगठनों के अनुसार पंद्रह से उनतीस वर्ष की आयु वर्ग में आत्महत्या मृत्यु के प्रमुख कारणों में शामिल हो चुकी है। यह आंकड़ा केवल संख्या नहीं है, बल्कि असंख्य टूटे परिवारों, अधूरे सपनों और मौन पीड़ा की कहानी कहता है। हाल के वर्षों में यह भी देखा गया है कि युवा वर्ग में बार-बार होने वाले मानसिक तनाव की घटनाओं में सौ प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। इसके पीछे महामारी के दौर में बढ़ा एकांत, शिक्षा और रोजगार की अनिश्चितता तथा सामाजिक ताने-बाने का कमजोर होना प्रमुख कारण रहे हैं।

यदि इस संकट के कारणों पर दृष्टि डाली जाए, तो आधुनिक जीवनशैली की कई परतें सामने आती हैं। शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा, प्रवेश परीक्षाओं का दबाव और असफलता का भय किशोरों और युवाओं को भीतर से तोड़ रहा है। परिवार और समाज की अपेक्षाएँ इतनी अधिक हो गई हैं कि युवा स्वयं को लगातार कसौटी पर खड़ा महसूस करते हैं। इसके साथ ही मोबाइल और आभासी संसार पर अत्यधिक निर्भरता ने वास्तविक मानवीय संबंधों को कमजोर कर दिया है। संवाद कम हुआ है, संवेदना घट रही है और अकेलापन बढ़ रहा है। संयुक्त परिवारों के विघटन और तेज शहरीकरण ने भी भावनात्मक सहारे की कमी को गहरा किया है।

नशे की बढ़ती प्रवृत्ति भी युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित कर रही है। शराब, मादक पदार्थ और जुए जैसी आदतें तनाव से राहत का झूठा भ्रम देती हैं, लेकिन अंततः समस्या को और जटिल बना देती हैं। आर्थिक दबाव, बेरोजगारी और बढ़ती महंगाई ने युवाओं के मन में असुरक्षा और निराशा को जन्म दिया है। ग्रामीण क्षेत्रों में मानसिक रोगों को लेकर गहरा सामाजिक कलंक आज भी मौजूद है, जहाँ इन्हें पागलपन से जोड़कर देखा जाता है। वहीं शहरी समाज में मानसिक बीमारी को कमजोरी मानकर लोग उपचार से कतराते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर किए गए सर्वेक्षण बताते हैं कि मानसिक रोग से ग्रस्त केवल दस से पंद्रह प्रतिशत लोग ही किसी प्रकार का उपचार प्राप्त कर पाते हैं।

मानसिक रोगों का प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता। कम उम्र में शुरू होने वाले विकार अक्सर लंबे समय तक बने रहते हैं और जीवन भर की उत्पादकता को प्रभावित करते हैं। शोध बताते हैं कि ऐसे लोगों में कार्यक्षमता में भारी गिरावट आती है और विकलांगता की संभावना भी बढ़ जाती है। इसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। अनुमान है कि मानसिक रोगों के कारण भारत को हर वर्ष हजारों करोड़ रुपये का आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। अवसाद से ग्रस्त व्यक्ति की कार्यक्षमता में बीस से तीस प्रतिशत तक की कमी आ सकती है। सामाजिक स्तर पर पारिवारिक कलह, तलाक, अपराध और सामाजिक विघटन जैसी समस्याएँ भी बढ़ती हैं। यदि युवाओं का मन अस्वस्थ रहेगा, तो जनसंख्या का वह लाभ, जिसे देश की सबसे बड़ी शक्ति माना जाता है, बोझ में बदल सकता है।

इस गंभीर स्थिति से निपटने के लिए बहुस्तरीय और समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है। सबसे पहला कदम है समय पर पहचान। विद्यालयों और महाविद्यालयों में नियमित रूप से मानसिक स्वास्थ्य की जाँच की व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि प्रारंभिक लक्षणों को पहचाना जा सके। जागरूकता अभियानों के माध्यम से यह संदेश समाज तक पहुँचना चाहिए कि मानसिक रोग भी अन्य बीमारियों की तरह उपचार योग्य हैं। मीडिया, सिनेमा, खेल और सार्वजनिक जीवन से जुड़े प्रभावशाली लोगों की भागीदारी से कलंक को तोड़ा जा सकता है।

नीतिगत स्तर पर भी ठोस बदलाव जरूरी हैं। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य नीति को वर्तमान चुनौतियों के अनुरूप अद्यतन करना होगा। जिला स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया जाना चाहिए, ताकि ग्रामीण और दूरदराज़ क्षेत्रों तक उपचार पहुँच सके। शिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षित परामर्शदाताओं की नियुक्ति अनिवार्य हो। परिवारों को भी यह सिखाया जाना चाहिए कि बच्चों के साथ संवाद कैसे बनाए रखें और उनकी भावनाओं को कैसे समझें। युवाओं को संतुलित जीवनशैली, शारीरिक गतिविधि और सामाजिक जुड़ाव के महत्व के बारे में शिक्षित करना होगा।

सरकार, समाज और निजी क्षेत्र को मिलकर मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी होगी। बजट में पर्याप्त संसाधन आवंटित किए जाएँ और स्थानीय स्तर पर कार्यरत संस्थाओं को सशक्त बनाया जाए। कार्यस्थलों पर कर्मचारियों के मानसिक कल्याण के लिए सहायता कार्यक्रम लागू किए जाएँ, ताकि युवा कामकाजी वर्ग भी सहारा पा सके।

अंततः यह समझना होगा कि मानसिक स्वास्थ्य कोई गौण विषय नहीं, बल्कि राष्ट्र की नींव से जुड़ा प्रश्न है। यदि आज हम युवाओं के मन की पीड़ा को अनसुना करते रहे, तो आने वाला कल और अधिक अंधकारमय हो सकता है। समय रहते उठाए गए कदम न केवल लाखों जीवन बचा सकते हैं, बल्कि एक संवेदनशील, स्वस्थ और सशक्त भारत के निर्माण का मार्ग भी प्रशस्त कर सकते हैं। युवाओं का स्वस्थ मन ही राष्ट्र की सबसे बड़ी पूँजी है, और उसकी रक्षा करना हम सबकी साझा जिम्मेदारी है।

बोध कथा

आत्मचिंतन : आखिर में यह भी नहीं रहेगा

एक साधु देश में यात्रा के लिए पैदल निकला हुआ था। एक बार रात हो जाने पर वह एक गाँव में आनंद नाम के व्यक्ति के दरवाजे पर रुका। आनंद ने साधू की खूब सेवा की। दूसरे दिन आनंद ने बहुत सारे उपहार देकर साधू को विदा किया। साधू ने आनंद के लिए प्रार्थना की भगवान करे तू दिनों दिन बढ़ता ही रहे। साधू की बात सुनकर आनंद हँस पड़ा और बोला अरे, महात्मा जी! जो है यह भी नहीं रहने वाला। साधू आनंद की ओर देखता रह गया और वहाँ से चला गया। दो वर्ष बाद साधू फिर आनंद के घर गया और देखा कि सारा वैभव समाप्त हो गया है। पता चला कि आनंद अब बगल के गाँव में एक जमींदार के यहाँ नौकरी करता है। साधू आनंद से मिलने गया। आनंद ने अभाव में भी साधू का स्वागत किया। झोंपड़ी में फटी चटाई पर बिठाया। खाने के लिए सूखी रोटी दी। दूसरे दिन जाते समय साधू की आँखों में आँसू थे। साधू कहने लगा हे भगवान ! ये तूने क्या किया? आनंद पुन: हँस पड़ा और बोला महाराज आप क्यों दु:खी हो रहे है? महापुरुषों ने कहा है कि भगवान इन्सान को जिस हाल में रखे, इन्सान को उसका धन्यवाद करके खुश रहना चाहिए। समय सदा बदलता रहता है और सुनो! यह भी नहीं रहने वाला। साधू मन ही मन सोचने लगा मैं तो केवल भेष से साधू हूँ। सच्चा साधू तो तू ही है, आनंद। कुछ वर्ष बाद साधू फिर यात्रा पर निकला और आनंद से मिला तो देखकर हैरान रह गया कि आनंद तो अब जमींदारों का जमींदार

बन गया है। मालूम हुआ कि जिस जमींदार के यहाँ आनंद नौकरी करता था वह सन्तान विहीन था, मरते समय अपनी सारी जायदाद आनंद को दे गया।

साधू ने आनंद से कहा अच्छा हुआ, वो जमाना गुजर गया। भगवान करे अब तू ऐसा ही बना रहे। यह सुनकर आनंद फिर हँस पड़ा और कहने लगा महाराज! अभी भी आपकी नादानी बनी हुई है। साधू ने पूछा क्या यह भी नहीं रहने वाला? आनंद उत्तर दिया हाँ! या तो यह चला जाएगा या फिर इसको अपना मानने वाला ही चला जाएगा। कुछ भी रहने वाला नहीं है और अगर शाश्वत कुछ है तो वह है परमात्मा और उस परमात्मा की वंश आत्मा। आनंद की बात को साधू ने गौर से सुना और चला गया। साधू कई साल बाद फिर लौटता है तो देखता है कि आनंद का महल तो है किन्तू कबूतर उसमें गुटरगूं कर रहे हैं, और आनंद का देहांत हो गया है। बेटियाँ अपने-अपने घर चली गयीं, बूढ़ी पत्नी कोने में पड़ी है।

साधू कहता है अरे इन्सान! तू किस बात का अभिमान करता है? क्यों इतराता है? यहाँ कुछ भी टिकने वाला नहीं है, दु:ख या सुख कुछ भी सदा नहीं रहता। तू सोचता है पड़ोसी मुसीबत में है और मैं मौज में हूँ। लेकिन सुन, न मौज रहेगी और न ही मुसीबत। सदा तो उसको जानने वाला ही रहेगा। सच्चे इन्सान वे हैं, जो हर हाल में खुश रहते हैं। मिल गया माल तो उस माल में खुश रहते हैं, और हो गये बेहाल तो उस हाल में खुश रहते हैं।

साधू कहने लगा धन्य है आनंद! तेरा सत्संग, और धन्य हैं तुम्हारे सतगुरु! मैं तो झूठा साधू हूँ, असली फकीरी तो तेरी जिन्दगी है। अब मैं तेरी तस्वीर देखना चाहता हूँ, कुछ फूल चढ़ाकर दुआ तो मांग लूं। साधू दूसरे कमरे में जाता है तो देखता है कि आनंद ने अपनी तस्वीर पर लिखवा रखा है आखिर में यह भी नहीं रहेगा।

नजरिया

हिंसा के दौर में गांधी के सिद्धांतों की प्रासंगिकता

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

2 अक्तूबर 1869 को पोरबंदर में जन्मे महात्मा गांधी जीवन पर्यन्त देशवासियों के लिए आदर्श नायक बने रहे। देश के स्वतंत्रता संग्राम में उनके अविस्मरणीय योगदान से पूरी दुनिया सुपरिचित है। भारत के स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नायकों में से एक महात्मा गांधी का आज 78वां बलिदान दिवस है, जिनकी 30 जनवरी 1948 को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। अहिंसा की राह पर चलते हुए भारत को ब्रिटिश गुलामी से मुक्ति दिलाने वाले गांधी जी ने पूरी दुनिया को अपने विचारों से प्रभावित किया था। अपने अनुभवों के आधार पर उन्होंने कई किताबें लिखी, जो हमें आज भी जीवन की नई राह दिखाती हैं क्योंकि उनके ये अनुभव, उनके विचार आज भी उतने ही सार्थक हैं, जितने उस दौर में थे। सही मायनों में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी देश के करोड़ों युवाओं के पथ प्रदर्शक हैं। उनके जीवन के तीन महत्वपूर्ण सूत्र थे, जिनमें पहला था सामाजिक गंदगी दूर करने के लिए झाड़ू का सहारा। दूसरा, जाति-पाति और धर्म के बंधन से ऊपर उठकर सामूहिक प्रार्थना को बल देना। तीसरा, चरखा, जो आगे चलकर आत्मनिर्भरता और एकता का प्रतीक माना गया।

गांधी जी प्रायः कहा करते थे कि प्रसन्नता ही एकमात्र ऐसा इत्र है, जिसे आप दूसरों पर डालते हैं तो उसकी कुछ बूंदें आप पर भी गिरती हैं। वे कहते थे कि किसी भी व्यक्ति की पहचान उसके कपड़ों से नहीं, उसके चरित्र से होती है। दूसरों की तरक्की में बाधा बनने वालों और नकारात्मक सोच वालों में सकारात्मकता का बीजारोपण करने के उद्देश्य से ही उन्होंने कहा था कि आंख के बदले आंख पूरी दुनिया को ही अंधा बना देगी। लोगों को समय की महत्ता और समय के सही सदुपयोग के लिए प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा था कि जो व्यक्ति समय को बचाते हैं, वे धन को भी बचाते हैं और इस प्रकार बचाया गया धन भी कमाए गए धन के समान ही महत्वपूर्ण है। वह कहते थे कि आप जो कुछ भी कार्य करते हैं, वह भले ही कम महत्वपूर्ण हो सकता है किन्तु सबसे महत्वपूर्ण यही है कि आप कुछ करें। लोगों को जीवन में हर दिन, हर पल कुछ न कुछ नया सीखने के लिए प्रेरित करते हुए गांधी जी कहा करते थे कि आप ऐसे जिएं, जैसे आपको कल मरना है लेकिन सीखें ऐसे कि आपको हमेशा जीवित रहना है। उनकी बातों का देशवासियों के दिलोदिमाग पर गहरा असर होता था।

महात्मा गांधी के विचारों में ऐसी शक्ति थी कि विरोधी भी उनकी तारीफ किए बगैर नहीं रह सकते थे। ऐसे कई किस्से भी सामने आते हैं, जिससे उनकी ईमानदारी, स्पष्टवादिता, सत्यनिष्ठा और शिष्टता की स्पष्ट झलक मिलती है। एक बार महात्मा गांधी सरोजिनी नायडू के साथ बैडमिंटन खेल रहे थे। सरोजिनी नायडू के दाएं हाथ में चोट लगी थी। यह देखकर गांधी जी ने भी अपने बाएं हाथ में ही रैकेट पकड़ लिया। सरोजिनी नायडू का ध्यान जब इस ओर गया तो वह खिलखिलाकर हंस पड़ी और कहने लगी, आपको तो यह भी नहीं पता कि रैकेट कौनसे हाथ में पकड़ा जाता है?' इस पर बापू ने जवाब दिया, आपने भी तो अपने दाएं हाथ में चोट लगी होने के कारण बाएं हाथ में रैकेट पकड़ा हुआ है और मैं किसी की भी मजबूरी का फायदा नहीं उठाना चाहता। अगर आप मजबूरी के कारण दाएं हाथ से रैकेट पकड़कर नहीं खेल सकती तो मैं अपने दाएं हाथ का फायदा क्यों उठाऊं?'

जिस समय द्वितीय विश्व युद्ध शुरू हुआ, उस समय देश के अधिकांश नेता इस बात के पक्षधर थे कि देश को अंग्रेजों से आजाद कराने का अब बिल्कुल सही मौका है और इस स्वर्णिम अवसर का लाभ उठाते हुए उन्हें इस समय देश में बड़े पैमाने पर आन्दोलन छेड़ देना चाहिए। दरअसल उन सभी का मानना था कि अंग्रेज सरकार द्वितीय विश्व युद्ध में व्यस्त रहने के कारण भारतवासियों के इस आन्दोलन का सामना नहीं कर पाएगी और आखिरकार उसे उनके इस राष्ट्रव्यापी आन्दोलन के समक्ष सिर झुकाना ही पड़ेगा और इस प्रकार अंग्रेजों को भारत को स्वतंत्र करने पर बड़ी आसानी से विवश किया जा सकेगा। जब यही बात गांधी जी के सामने उठाई गई तो उन्होंने अंग्रेजों की मजबूरी से फायदा उठाने से इन्कार कर दिया। हालांकि उस दौरान अंग्रेजों के खिलाफ गांधी जी ने आन्दोलन तो जरूर चलाया लेकिन उनका वह आन्दोलन सामूहिक न होकर व्यक्तिगत स्तर पर किया गया आन्दोलन ही था।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न पर भारत की नजर, मुद्दा ढाका के समक्ष उठाया गया : सरकार

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हमलों की घटनाओं पर लगातार नजर रखे हुए है और इस मुद्दे को ढाका के अधिकारियों के समक्ष निरंतर उठाया गया है।

राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने बताया कि भारत की अपेक्षा है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार इन घटनाओं की गहन जांच करे और अल्पसंख्यकों के खिलाफ हत्याओं, आगजनी और हिंसा में शामिल सभी दोषियों को बिना किसी बहाने के न्याय के कटघरे में लाए।

माकपा के सदस्य जॉन ब्रिटास ने विदेश मंत्रालय से यह पूछा था कि क्या सरकार ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों को निशाना बनाकर किए जा रहे हमलों, हत्याओं, आगजनी और धमकी की घटनाओं तथा कानून-व्यवस्था की स्थिति में गिरावट की रिपोर्टों का संज्ञान लिया है और पिछले दो वर्षों में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर बांग्लादेश सरकार के समक्ष भारत ने क्या औपचारिक तर्क दिए हैं।

अपने उत्तर में सिंह ने कहा, भारत सरकार बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हमलों की घटनाओं पर नजर रखे हुए है। इन हमलों में उनके घरों, संपत्तियों, व्यवसायों और पूजा स्थलों पर हमले शामिल हैं। भारत ने अल्पसंख्यकों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दे को राजनीतिक और कूटनीतिक दोनों स्तरों पर कई अवसरों पर बांग्लादेश के अधिकारियों के समक्ष उठाया है। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा प्रधानमंत्री ने चार अप्रैल 2025 को बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के साथ अपनी बैठक में उठाया था, जबकि विदेश मंत्री ने 16 फरवरी 2025 को विदेश सलाहकार तौहीद हुसैन के साथ बैठक में इस पर चर्चा की थी। उन्होंने कहा कि अन्य विदेशी प्रतिनिधियों के साथ प्रासंगिक वार्ताओं में भी यह विषय उठाया गया है। सिंह ने कहा, भारत सरकार की यह अपेक्षा है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार इन घटनाओं की पूरी तरह जांच करे और अल्पसंख्यकों के खिलाफ हत्याओं, आगजनी और हिंसा के सभी दोषियों को बिना किसी बहाने न्याय के दायरे में लाए। बांग्लादेश में सभी नागरिकों, विशेषकर अल्पसंख्यकों के जीवन और स्वतंत्रता की रक्षा की प्राथमिक जिम्मेदारी बांग्लादेश सरकार की है। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार द्वारा हिंदुओं पर हमलों को लेकर दिए गए हालिया बयान पर भारत के रुख के बारे में पूछा गया था। इसे जवाब में सिंह ने कहा कि अंतरिम सरकार की, अल्पसंख्यकों पर हमलों को व्यक्तिगत रंजिश, राजनीतिक मतभेद या अन्य बाहरी कारणों से जोड़ने की प्रवृत्ति चिंताजनक है।

उन्होंने कहा कि इस तरह के बयान चरमपंथियों और अपराधियों का हौसला बढ़ाते हैं और अल्पसंख्यकों के बीच भय और असुरक्षा की भावना को और गहरा करते हैं। सिंह ने कहा कि अल्पसंख्यकों से जुड़ी घटनाओं को लेकर भारत की चिंताओं और संवेदनशीलताओं को बांग्लादेश सरकार तक, उच्चतम राजनीतिक स्तर पर भी, स्पष्ट रूप से पहुंचाया गया है।

पाकिस्तान सेना में बड़ा बदलाव किया जा रहा है : आसिम मुनीर

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तानी रक्षा बलों के प्रमुख (सीडीएफ) फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने बृहस्पतिवार को कहा कि पाकिस्तान की सेना कई क्षेत्रों में बड़े बदलाव से गुजर रही है। मुनीर ने दोहराया कि वे देश की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए हर तरह के खतरों से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। सेना द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, मुनीर ने बहावलपुर छावनी के दौरे के दौरान ये टिप्पणियां कीं। इस दौरान उन्हें कोर के विभिन्न परिचालन, प्रशिक्षण और प्रशासनिक पहलुओं के बारे में जानकारी दी गई, जिसमें बहु-आयामी युद्ध की तैयारियों पर विशेष ध्यान दिया गया। सैनिकों को संबोधित करते हुए मुनीर ने उनके उच्च मनोबल, पेशेवर दक्षता और परिचालन तत्परता की सराहना की।

बर्ड शो

पश्चिम बंगाल के नादिया ज़िले में गुरुवार को एक बर्ड शो के दौरान एक महिला अपने कंधे पर कॉकटू को बैठाकर पोज़ देती हुई।

आध्यात्मिक ज्ञान के प्रसार में अहम भूमिका निभा सकता है मोबाइल सिनेमा : नकवी

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने वर्तमान समय में मोबाइल सिनेमा के महत्व का उल्लेख करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि यह उद्योग आधुनिक विज्ञान के साथ अध्यात्मिक ज्ञान भी लोगों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है क्योंकि इसमें 'बॉक्स आफिस' की कोई बंदिश नहीं है।

नकवी के कार्यालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, उन्होंने नोएडा में 'अंतरराष्ट्रीय सेल फोन सिनेमा फैस्टिवल' को संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहेब फाल्के की मूक फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' से शुरू हुए भारतीय सिनेमा के सफ़ल सफ़र का मोबाइल सिनेमा के प्रभावशाली पड़ाव पर पहुंचना, भारतीय कला की काबलियत का कमाल है। उनका कहना था कि भारत की लगभग 80 प्रतिशत से ज्यादा स्मार्ट मोबाइल फोन उपयोगकर्ताओं वाली आबादी है और यह बात भारतीय सेल सिनेमा के लिए मौक़ा, मार्केट, माहौल और सफ़लता की संभावनाओं को प्रबल बनाती है। पूर्व सूचना एवं प्रसारण मंत्री नकवी ने कहा, सेल फिल्म उद्योग आधुनिक विज्ञान के साथ अध्यात्मिक ज्ञान भी लोगों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता हैं।

सनी देओल ने फैंस का जताया आभार, बोले- आवाज आपके दिलों तक गई

मुंबई/एजेन्सी

वार ड्रामा फिल्म 'बॉर्डर 2' का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन लगातार बढ़ता जा रहा है। फिल्म ने रिलीज के पहले दिन से अच्छी कमाई की है। इसका असर सोशल मीडिया पर साफ देखने को मिल रहा है। इस बीच, अभिनेता सनी देओल ने फैंस से मिल रहे प्यार के लिए शुक्रिया अदा किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें सनी देओल खुले माहौल में बैठे नजर आ रहे हैं।

वीडियो में अभिनेता कहते हैं, आवाज कहां तक गई, आपके दिलों तक। आप सभी को मेरी फिल्म बॉर्डर 2 बहुत पसंद आई। इसके लिए धन्यवाद। मैं आप सभी से बहुत प्यार करता हूं। अभिनेता ने लिखा, मेरी, आपकी और हमारी फिल्म 'बॉर्डर 2' को इतना सारा प्यार देने के लिए आप सभी का दिल से धन्यवाद।

फिल्म 'बॉर्डर 2' 23 जनवरी को रिपब्लिक डे वीकेंड पर रिलीज हुई थी। इसमें सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी जैसे सितारे मुख्य भूमिका में थे। इसके साथ ही आन्या, मेधा राणा, मोना सिंह और सोनम बाजवा भी अहम भूमिका में नजर आईं। यह 1997 की फिल्म 'बॉर्डर' की अगली कड़ी है, जो देशभक्ति और बहादुरी की कहानी बयां करती है। वहीं, फिल्म के गानों ने भी फैंस का काफी दिल जीता। फिल्म देखने के बाद आम दर्शकों समेत मनोरंजन जगत के बड़े-बड़े सेलेब्स भी इसकी तारीफ कर रहे हैं।

फिल्म ने ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर 295 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर दिया है। फिल्म में कहानी को मजबूत तरीके से दिखाया गया है, जिसकी वजह से यह दर्शकों के दिलों को छू रही है। बताया जा रहा है कि फिल्म का आखिरी पार्ट देखना लाजवाब है क्योंकि उसमें 1997 की बॉर्डर के मुख्य कलाकारों को भी दिखाया गया है।

प्रदर्शन

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को कोलकाता में आनंदपुर आग की घटना को लेकर राज्य सरकार के ख़िलाफ़ विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें कई लोगों की जान चली गई थी।

भारत रंग महोत्सव में गूंजेगा पंकज त्रिपाठी का नाटक 'लाइलाज'

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय रंगमंच की दुनिया में भारत रंग महोत्सव का नाम बेहद सम्मान के साथ लिया जाता है। यह महोत्सव न केवल नाट्य कलाकारों के लिए एक बड़ा मंच है, बल्कि थिएटर से जुड़े लोगों के लिए एक सपने जैसा है। हर साल देश-विदेश के चुनिंदा नाटक यहां प्रस्तुत किए जाते हैं। ऐसे प्रतिष्ठित मंच पर किसी नाटक का चुना जाना किसी भी कलाकार के लिए गर्व से भरा पल होता है। इसी कड़ी में अभिनेता पंकज त्रिपाठी का नाटक 'लाइलाज' 25वें भारत रंग महोत्सव के लिए चुना गया है, जिसे लेकर अभिनेता बेहद खुश हैं। पंकज त्रिपाठी ने इस उपलब्धि को अपने जीवन का खास और दिल से जुड़ा हुआ पल बताया है। उन्होंने कहा, ''भारत रंग महोत्सव भारतीय थिएटर की आत्मा जैसा है और यहां अपने नाटक का चयन होना मुझे अपनी जड़ों से दोबारा जोड़ देता है। थिएटर ही वह जगह है, जहां से मैंने अभिनय की असली सीख ली और राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) ने मुझे अनुशासन, सच्चाई और कला के प्रति सम्मान सिखाया।'' 'लाइलाज' को पंकज त्रिपाठी और उनकी पत्नी मृदुला ने थिएटर बैनर 'रूपकथा रंगमंच' के तहत बनाया था। यह अब आधिकारिक रूप से भारत रंग महोत्सव में दिखाया जाएगा। इस महोत्सव का आयोजन दिल्ली स्थित राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय द्वारा किया जा रहा है।

पंकज ने कहा, ''अपने नए थिएटर मंच की पहली ही प्रस्तुति को इतना बड़ा और सम्मानित मंच मिलना मेरे लिए किसी सपने के पूरा होने जैसा है। 'लाइलाज' भले ही एक साधारण कहानी हो, लेकिन इसके पीछे कई कलाकारों और तकनीकी टीम की कड़ी मेहनत और थिएटर के प्रति गहरा विश्वास छिपा है।''

पंकज ने बताया कि यह नाटक लेखक और निर्देशक फैज मोहम्मद खान द्वारा लिखा और निर्देशित किया गया है। यह उनके लिए इसलिए भी खास है क्योंकि इस नाटक के जरिए वह करीब दस साल बाद थिएटर के मंच पर वापसी कर रहे हैं। सबसे खास बात यह है कि इस नाटक के जरिए उनकी बेटी आशी भी पहली बार थिएटर मंच पर कदम रख रही हैं।

उन्होंने कहा, ''बेटी के साथ मंच साझा करना मेरे जीवन के सबसे यादगार अनुभवों में से एक है। मैं इसे सिर्फ अभिनय नहीं, बल्कि थिएटर को एक सच्ची भेंट मानता हूं।''

नाटक की सह-निर्माता और पंकज की पत्नी मृदुला ने भी इस सफलता पर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, ''जब मैंने रूपकथा रंगमंच की शुरुआत की थी, तब मेरा मकसद बड़े मंच की तलाश नहीं, बल्कि ईमानदारी और सच्चे भाव से कहानियां कहना था। भारत रंग महोत्सव जैसे मंच पर 'लाइलाज' का चुना जाना बेहद संतोषजनक और हौसला बढ़ाने वाला है।''

अपनी बेटी के थिएटर में पहले कदम को लेकर मृदुला ने कहा, ''माता-पिता के तौर पर यह हमारे लिए बेहद भावुक पल है। मैं दर्शकों, महोत्सव और उन सभी कलाकारों का आभार व्यक्त करती हूं, जो आज भी थिएटर की ताकत पर विश्वास रखते हैं। थिएटर आज भी लोगों को जोड़ने, भावनाओं को छूने और समाज को आईना दिखाने की ताकत रखता है।''

सैन्य अधिकारी की पत्नी का रोल एक अलग अनुभव, उनमें ताकत और डर का मिश्रण : चित्रांगदा सिंह

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह अपकमिंग फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' में एक सैन्य अधिकारी की पत्नी के किरदार में नजर आएंगी। इस रोल की तैयारी के दौरान उन्होंने मिलिट्री परिवारों की महिलाओं की ताकत और अंदरूनी भावनात्मक डर को गहराई से समझा। चित्रांगदा ने कहा कि इस किरदार ने उन्हें अपनी मां और ऐसी तमाम महिलाओं के संघर्ष को बेहतर तरीके से महसूस कराया। एक इंडियन आर्मी ऑफिसर की बेटी होने के नाते चित्रांगदा को यूनिफॉर्म, बार-बार पोस्टिंग और अनुशासित जीवन की आदत पहले से थी। लेकिन फिल्म के लिए आर्मी पत्नियों से मिलने और उनकी कहानियां सुनने के बाद उन्होंने कहा, मेरे पिता आर्मी में थे, उनकी कहानियां सुनना मेरे लिए सामान्य था। लेकिन एक आर्मी पत्नी का रोल निभाना बिल्कुल अलग अनुभव है। जब मैं उन महिलाओं से मिली, तो मुझे अपनी मां की खामोशी, गर्व और चिंता का मिश्रण समझ आया। चित्रांगदा ने आगे कहा, ये महिलाएं हर दिन ताकत और डर दोनों को अपने अंदर संजोकर रखती हैं। मैंने रोल में सिर्फ हिम्मत या मुस्कान नहीं, बल्कि उस भावना को भी दिखाने की कोशिश की, जहां दिल टूटने के बावजूद खुद को संभालना सीखना पड़ता है।

फिल्म में वह उन भारतीय महिलाओं का प्रतीक बनती दिखेंगी, जो वर्दी पहने सैनिकों के पीछे मजबूती से खड़ी रहती हैं। फिल्म में चित्रांगदा, सलमान खान के किरदार के लिए इमोशनल सहारा बनती हैं। वह कहानी में कोमलता, गरिमा और स्थिरता का पुट लाती नजर आएंगी।'बैटल ऑफ गलवान' 15 जून 2020 को गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुई हिंसक झड़प पर आधारित है। यह टकराव लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर हुए बड़े सीमा विवाद का हिस्सा था। इस लड़ाई में 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में तैयार फिल्म 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। चित्रांगदा सिंह और सलमान खान के साथ फिल्म में अंकुर भाटिया, अभिलाष चौधरी, विपिन भारद्वाज और सिद्धार्थ जैसे सितारे नजर आएंगे।

बॉलीवुड एक्टर सारा अली खान एक इवेंट के दौरान।

रोहित शर्मा से मिलकर गदगद हुए अनुपम खेर, बताया 'रियल हीरो'

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता अनुपम खेर ने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा से हुई अचानक मुलाकात का दिल छू लेने वाला पोस्ट किया। अनुपम ने बताया रोहित उनके लिए बेहद खास और रियल हीरो भी हैं। अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए बताया कि शूटिंग के दौरान उन्हें गलती से गलत वैनिटी वैन में ले जाया गया, जहां उन्होंने रोहित शर्मा और उनकी पत्नी रितिका को देखा। यह मुलाकात उनके लिए बेहद खास और यादगार साबित हुई। अनुपम खेर ने लिखा, सुबह शूटिंग लोकेशन पर बहुत सारी वैनिटी वैन खड़ी थीं। गलती से मुझे एक गलत वैन में ले जाया गया और सामने मैं किसे देखता हूं? सबसे महान रोहित शर्मा! मेरे पसंदीदा क्रिकेटर और उनकी खूबसूरत, सपोर्टिव पत्नी रितिका। मुझे रोहित बहुत पसंद हैं! बेशक, एक शानदार खिलाड़ी के तौर पर उनकी काबिलियत के लिए। लेकिन मुझे उनका व्यक्तित्व भी उतना ही पसंद है।

उन्होंने आगे कहा कि हम अक्सर फिल्मों और खेलों में अपने हीरोज को टाइटल देते हैं और वे इसके हकदार भी होते हैं। लेकिन रोहित को मैदान पर और बाहर देखने के बाद आसानी से कह सकते हैं कि वह बहुत असली हैं। उनमें कोई दिखावा नहीं! किसी खास टाइटल की कोई भूख नहीं! मुझे उनका शांत स्वभाव पसंद है। वह आसानी से हंसते हैं! अपने बारे में कोई मिथक बनाने की कोशिश नहीं करते! पैप्स के सामने अपना व्यक्तित्व नहीं बदलते। वह वैसे ही रहते हैं जैसे वे हैं और यही एक कूल इंसान की सबसे बड़ी क्वालिटी है! अनुपम ने रोहित को अपना दोस्त और हीरो बताया। उन्होंने लिखा, मेरे दोस्त और हीरो रोहित, आपकी गर्मजोशी और तारीफ के लिए धन्यवाद! भगवान आप दोनों को लंबी और स्वस्थ जिंदगी दे। बहुत प्यार और आशीर्वाद! जय हो!

वरुण धवन की एक्टिंग की कायल हुई खुशबू पाटनी

मुंबई/एजेन्सी

सनी देओल और मल्टीस्टार फिल्म 'बॉर्डर-2' रिलीज के साथ ही सिनेमाघरों में शानदार कलेक्शन कर रही है। फिल्म ने रिलीज के बाद से अब तक वैश्विक स्तर पर लगभग 250 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है और कहा जा रहा है कि फिल्म के लिए ये हफ्ता भी लाजवाब रहने वाला है। इसी बीच सेना में मेजर पद पर रही खुशबू पाटनी ने फिल्म देख ली है और फिल्म देखने के लिए उन्हें अपने पुराने दिन याद आ गए। महिला सुरक्षा पर खुलकर बात रखने वाली खुशबू पाटनी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर वरुण धवन की एक्टिंग स्किल्स की तारीफ की है और अपने पुराने आर्मी के दिनों को भी याद किया है। उन्होंने वरुण की मेजर होशियार सिंह दहिया लुक के साथ फोटो पोस्ट की और लिखा, बॉर्डर-2 अभी देखी, वरुण धवन का काम लाजवाब है, उनके द्वारा निभाई गई होशियार सिंह दहिया की यादगार परफॉर्मेंस को हमेशा याद रखा जाएगा। मेरी कुछ पुरानी यादें ताजा हो चुकी हैं, खासकर ट्रेनिंग के दिनों की। हम भाई और बहन की तरह जीते हैं, भाई और बहन की तरह मरते हैं। नाम, नमक और निशान को कभी नहीं भूलते। जय हिंद, जय भवानी।

इससे पहले खुशबू ने गणतंत्र दिवस के मौके पर अपनी फौजी की वर्दी के साथ फोटोज पोस्ट की, जिसमें वे अपने पुराने मेजर अवतार में दिखीं। हाथ में वॉकी-टॉकी और आंखों पर काला चश्मा लगाए खुशबू का लुक शानदार लगा। बता दें कि फिल्म 'बॉर्डर-2' के लिए भी पहला हफ्ता शानदार रहा है।

फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत करते हुए लगभग 32 करोड़ रुपए कमाए, जिसके बाद शनिवार को फिल्म ने अनुमानित 36.5 करोड़ रुपए, रविवार को 54 करोड़ रुपए और सोमवार को 59 करोड़ रुपए की कमाई की। बीते मंगलवार को फिल्म ने 19.50 करोड़ रुपए कमाए।

कुल मिलाकर भारत में फिल्म का कलेक्शन लगभग 200 करोड़ रुपए का हो गया है। फिल्म की वैश्विक कमाई की बात करें तो फिल्म अब तक 270.7 करोड़ रुपए का कलेक्शन करने में कामयाब रही है। 30 जनवरी को सिनेमाघरों में रानी मुखर्जी की फिल्म 'मर्दानी-3' रिलीज होने वाली है। अगले हफ्ते फिल्म के कलेक्शन पर असर देखने को मिल सकता है, क्योंकि सुपरकॉप सीरीज की मर्दानी हर बार अच्छा कलेक्शन करने में कामयाब रही है।

आचार्यश्री कुलबोधिसूरीश्वर के संयम स्वर्णोत्सव का शुभारंभ आज

त्रिदिवसीय भव्य आध्यात्मिक उत्सव आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

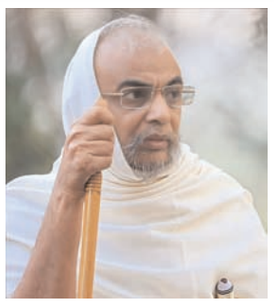

चेन्नई। स्थानीय चंद्रप्रभु जैन नया मंदिर के तत्वावधान में गच्छाधिपति आचार्य भुवनभानुसूरीश्वरजी के समुदाय के यशस्वी आचार्य कुलबोधिसूरीश्वरजी के 50वें संयम वर्ष में प्रवेश के अवसर पर त्रिदिवसीय आध्यात्मिक उत्सव का आयोजन शुक्रवार, शनिवार और रविवार को होगा। आचार्यश्री कुलबोधिसूरीश्वरजी ने मात्र 9 वर्ष की अल्पायु में आचार्य भुवनभानुसूरीजी के चरणों में अपना जीवन अर्पित कर संयम पथ स्वीकार किया तथा आचार्य वरबोधिसूरीजी के शिष्य बने। आचार्यश्री का वर्ष 2025 में चातुर्मास चंद्रप्रभु जैन नया मंदिर के तत्वावधान में आराधना भवन में ऐतिहासिक रूप से संपन्न हुआ था। वर्ष 2026 का आगामी चातुर्मास वेपेरी जैन संघ में निश्चित हुआ है।

त्रिदिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत चंद्रप्रभु जैन नया मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में शुक्रवार प्रातः 9 से 'अणगार के श्रृंगार' विषय पर गीत-संगीत एवं विवेचन के साथ एक अद्भुत आध्यात्मिक आयोजन संपन्न होगा। मध्याह्न चंद्रप्रभु नया मंदिर के शिखर पर 32वां ध्वजारोहण आचार्यश्री की निश्रा में संपन्न होगा। इस अमर ध्वजा के लाभार्थी संघवी भूरमल तेजाजी बोराना राठौड़ परिवार हैं। इसके पश्चात चंद्रपुरी भवन में सकल संघ का स्वामिवात्सल्य आयोजित होगा, जिसके लाभार्थी संघवी पाणीदेवी मोहनलाल सोनवाड़िया मुथा परिवार हैं। सायं 7 बजे चंद्रप्रभु मंदिर में महापूजा एवं प्रभु भक्ति का भावपूर्ण और अनोखा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। नया मंदिर ट्रस्ट मंडल ने चेन्नई के समस्त जैन संघों से त्रिदिवसीय आयोजनों में शामिल होने का निवेदन ट्रस्ट के सहसचिव विमलशाह ने किया है।

मन शक्तिशाली, चंचल और साथ में कल्पवृक्ष के समान है : साध्वी भव्यगुणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जयनगर में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि हमारा मन शक्तिशाली है, उतना ही चंचल भी है। साथ ही, हम अपने मन को कल्पवृक्ष के समान कह सकते हैं। जब हमारे मन में कोई इच्छा उत्पन्न होती है, तो मन उस इच्छा को पूर्ण करने की शक्ति रखता है। इतनी सामर्थ्य हमारे निराकार मन में है। इस मन के तीन आयाम हैं। सबसे पहले हम अपने मन में इच्छारूपी बीज बोते हैं। उस इच्छा के बीज का हम सिंचन करते रहते हैं। साथ ही, उसका पालन-पोषण करने के लिए हम उसमें परिश्रम, ध्यान और श्रद्धा का जल डालते हैं।

जिस चीज़ का हम लगातार और सही तरीके से अनुसरण करते हैं, उस पर ध्यान केंद्रित करते हैं, वही इच्छा साकार होती है। लेकिन इसमें दो प्रकार की ऊर्जा होती हैं, एक सकारात्मक और दूसरी नकारात्मक। सकारात्मक ऊर्जा में हम अच्छा करना चाहते हैं, लेकिन उसका अनुशासनपूर्वक पालन नहीं करते, इसलिए मन में रखी इच्छा पूरी हो ही जाए ऐसा नहीं कहा जा सकता। नकारात्मकता में हम अच्छी बातों को भूलकर मन में कटुता, शिकायतें और बुरे शब्द अंकित कर लेते हैं, इसलिए ऐसे मन का संतुलन बनाए रखना हमारे ही हाथ में है। हमारे पूरे जीवन का केंद्र यही मन है।

निकेश भंडारी ने बताया कि साध्वीवृंद शुक्रवार को मुनिसुव्रत स्वामी राजेंद्र सूरि गुरुमंदिर ऐवन्यू रोड में ध्वजारोहण कार्यक्रम संपन्न करवाएंगे। नरेंद्र भंडारी ने सभी को धन्यवाद दिया।

रोटरी क्लब ऑफ चेन्नई कैपिटल द्वारा अस्पताल को जीवनरक्षक उपकरण भेंट किए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय रोटरी क्लब ऑफ चेन्नई कैपिटल द्वारा श्रीरामचंद्र अस्पताल में बाल चिकित्सा एवं गहन चिकित्सा विभाग के लिए अत्याधुनिक चिकित्सकीय उपकरणों का दान कर स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया। इस अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ चेन्नई कैपिटल के चेयरमैन होल्गर नाक, जिला प्रमुख डी. देवेंद्रन एवं क्लब अध्यक्ष अपूर्वा मोदी ने संयुक्त रूप से 45 लाख रुपए से अधिक मूल्य के बेडसाइड अल्ट्रासाउंड हाईफ्लो नेजल एवं कैन्युला इकाइया अस्पताल को भेंट किया। इस कार्य में अमेरिका के रोटरी जिला 5330 एवं मलेशिया के रोटरी क्लब ऑफ मेलावती का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होल्गर नाक ने इस अवसर पर कहा कि रोटरी क्लब ऑफ चेन्नई कैपिटल ने जिस दक्षता दूरदर्शिता और पारदर्शिता से यह कार्य किया है, वह अन्य स्थानीय क्लबों के लिए बड़ा आदर्श है। यह 'यूनाइट फॉर गुड' का जीवंत उदाहरण है। कार्यक्रम में क्लब के अध्यक्ष अपूर्वा मोदी ने दानदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट प्रमुख इलेक्ट श्रीराम दुव्वुरी डीआरएफसी नीलकांतन एल, ट्रस्टी भरत पांड्या, क्लब सचिव राजकुमार नारंग, किशोर रेड्डी, बॉबी वरिंदर सिंह, प्रसांत गिरीश एवं एन रोशनी मोदी सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

दूर कितने भी रहो मगर अहसास हमेशा पास का होना चाहिए : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

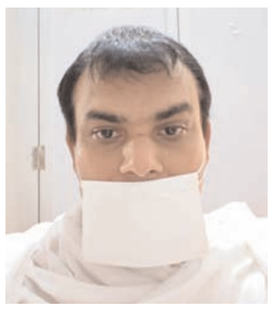

चेन्नई। यहाँ पीएस शिवसामी सालै स्थित महेन्द्र अरुणा बैद के निवास स्थान पर स्वास्थ्य लाभ हेतु विराजित प्रवचनकार ओजस्वी वक्ता श्री कपिल मुनि जी ने गुरुवार को धर्मचर्चा के दौरान कहा कि हमारे जीवन में कदम कदम पर ऐसे निमित्त और प्रसंग उपस्थित होते रहते हैं जिनसे हमारे भाव प्रभावित हुए बगैर नहीं रहते ऐसी स्थिति में मन की प्रसन्नता को बरकरार रखना एक बहुत बड़ी चुनौती बन जाती है। मन के विपरीत घटित घटनाओं में भी सम्यक समझ, सकारात्मक दृष्टिकोण के सहारे दुःख को भी सुख में बदला जा सकता है। गुरुदेव श्री ने जीवन में प्रेम कितना जरूरी और प्रेम का असली अर्थ बताते हुए कहा कि जैसे अस्थि विहीन कीट का जीवन सूर्य के ताप से विनष्ट हो जाता है वैसे ही प्रेम शून्य जीवन भी आधि, व्याधि व उपाधि के संताप से नष्ट हो जाता है। जब आप वाकई किसी से प्रेम करते हैं तो आप अपना व्यक्तित्व, अपनी पसंद-नापसंद, अपना सब कुछ समर्पित करने के लिए तैयार होते हैं। जब प्रेम नहीं होता, तो लोग कठोर हो जाते हैं। जीवन को सरस बनाने के लिए प्राणी मात्र के प्रति प्रेम और मैत्री की मंगल कामना से अपने अन्तःकरण को सराबोर रखना बेहद जरूरी है। परस्पर प्रेम और संवाद की कमी होने पर जीवन भार बन जाता है। प्रेम एक अनुभूति है, जो दिमाग से नहीं दिल से होती है। प्रेम किसी से कुछ पाना नहीं बल्कि अपने पास जो कुछ भी है उसे लुटाना जानता है। जिसके प्रति मन में जुड़ाव और आकर्षण होता है उसमें गुण का ही दर्शन करता है उसकी भूलों का दस्तावेज नहीं रखता। अगर किसी में कोई त्रुटि और खामी नजर आए तो समझ लेना कि वहाँ प्रेम का अभाव है। प्रेम स्नेह से लेकर खुशी की ओर धीरे धीरे अग्रसर करता है। इसे किसी के प्रति दया, अनुकंपा भावना को प्रस्तुत करने का तरीका भी माना जा सकता है। उदाहरण के लिए माता और पिता के प्रति, खुद के प्रति, या किसी जानवर के प्रति, या फिर किसी इन्सान के प्रति सच्चा प्रेम वही है जो घटता बढ़ता नहीं बल्कि सदैव टिकता है। उसके हृदय में किसी के सुख दुःख में संवेदना का स्पंदन होता है। जो सभी हालातों में आप के साथ हो, यानी दुख में भी आप को और आप की खुशियों को अपनी खुशियां माने। कहते हैं कि अगर हृदय प्रेम भावना से ओतप्रोत होता है तो हमारी ज़िन्दगी बदल जाती है। प्रेम का मतलब सिर्फ यह नहीं कि हम हमेशा उसके साथ रहे, प्रेम तो एक-दूसरे से दूर रहने पर भी खत्म नहीं होना चाहिए। जिसमे दूर कितने भी हो, अहसास हमेशा पास का होना चाहिए। महेन्द्र कुमार, विवेक, विशाल बैद ने आगंतुकों का आतिथ्य सत्कार किया। अभय कुमार पवन मेहता ने गुरु भक्ति सेवा पर्युपासना का लाभ लिया।

गुरु ही शिष्य के जीवन में विवेक और सत्य का प्रकाश फैलाते हैं : डॉ वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोवा। बेंगलूरु से चातुर्मास सम्पन्न कर राष्ट्रसंत श्रमण संघीय उपप्रवर्तकश्री पंकजमुनिजी, भारत गौरव डॉक्टर श्री वरुण मुनि जी व मुनिश्री रूपेशमुनिजी इन दिनों गोवा प्रांत में विहाररत हैं। संतगण इन दिनों पोंडा के शांतिनाथ जैन मंदिर में विराजमान हैं। अपने दैनिक प्रवचन में श्री वरुण मुनि जी ने कहा कि गुरु बिना ज्ञान नहीं होता। सांसारिक विद्या हो या आध्यात्मिक ज्ञान, गुरु के मार्गदर्शन के बिना व्यक्ति अज्ञान के अंधकार में भटकता रहता है। गुरु ही वह दीपक हैं, जो शिष्य के जीवन में विवेक और सत्य का प्रकाश फैलाते हैं। गुरु का स्थान माता-पिता और ईश्वर से भी ऊँचा माना गया है, क्योंकि गुरु ही व्यक्ति को ईश्वरत्व की ओर अग्रसर करते हैं। डॉ. वरुणमुनिजी ने कहा कि आज के भौतिकवादी युग में व्यक्ति ज्ञान को केवल पुस्तकों या तकनीक तक सीमित समझने लगा है, जबकि सच्चा ज्ञान आत्मानुभूति से प्राप्त होता है। यह आत्मानुभूति गुरु के सान्निध्य, उनके उपदेशों और उनके आचरण से ही संभव है। गुरु शिष्य को केवल बोलकर नहीं, बल्कि अपने जीवन के आदर्शों से शिक्षित करते हैं। गुरु का जीवन ही उनकी सबसे बड़ी शिक्षा होता है। उन्होंने आगे कहा कि गुरु शिष्य के भीतर छिपी हुई शक्तियों को जाग्रत करते हैं।

श्री पंकज मुनि जी ने कहा कि धर्म केवल पूजा-पाठ या कर्मकांड तक सीमित नहीं है, बल्कि धर्म का वास्तविक स्वरूप जीवन में नैतिकता और सदाचार को अपनाने में है।

'जीवन के उत्कर्ष के लिए आध्यात्मिक चिंतन आवश्यक' विषयक पर राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के बीज भाषण में हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के आचार्य डॉ.चंद्रकांत सिंह ने कहा कि हिंदी साहित्य का भक्तिकाल लोकजीवन में समता और समन्वय का लोकजागरण लेकर आता है जिनके प्रणेता सूर, तुलसी, कबीर और जायसी हैं । वे लोकमंगल के साधक हैं अतः लोकनायक हैं। कर्म से ही मनुष्य की पहचान है। भक्ति की भाव-भूमि और आध्यात्मिक चिंतन मानव जीवन के उत्कर्ष के लिए परम आवश्यक है। आलोचक एवं व्यंग्यकार बीएल आच्छा ने कहा कि दक्षिण भारत की भूमि ने भक्ति और आचार्यत्व प्रदान किया है। भक्त कवियों ने मूल्यों को स्थापित कर मानव जीवन को उत्कर्ष दिया। हिन्दी और दक्षिण भारतीय भक्ति साहित्य में आध्यत्मिक चिंतन विषय पर आयोजित इस संगोष्ठी के अवसर पर कहा कि आध्यात्मिक चिंतन मानव चेतना की मूल धारा है। यह प्रेमभाव को बढ़ाकर भेदभाव मिटाता है। जन्म- मृत्यु और प्रकृति चक्र पर मनुष्य का नियंत्रण न होने के कारण आध्यात्मिक चिंतन आरंभ होता है। पुनश्च हिंदी एवं तमिल भक्ति साहित्य में आध्यात्मिक चिंतन के सत्रों में देशभर से पधारे विद्वान, आचार्य , शोधार्थियों और कॉलेज - छात्रों ने सारगर्भित प्रपत्र प्रस्तुत किए। इस अवसर पर डॉ शशिप्रभा जैन,ड ॉ स्वाति पालीवाल, डॉ सुनीता जाजोदिया, डॉ एस.लावण्या, डॉ नाजिम परवीन , डॉ कविता बोरा, डॉ बी संतोषी, डॉ ए.भवानी, डॉ वाणी अरिवालन, डॉ वत्सला ने भी अपने प्रपत्र प्रस्तुत किए। डॉ शांति मोहन और डॉ शीना इपेन भी उपस्थित थे। अध्यक्ष डॉ चिट्टी अन्नपूर्णा ने स्वागत भाषण दिया एवं स्मृति चिन्ह एवं भेंट से अतिथियों का सम्मान किया। दीपा खवासे ने संगोष्ठी का संचालन किया। हिंदी विभाग की अतिथि आचार्या डॉ सुनीता जाजोदिया ने धन्यवाद दिया।

राष्ट्रसंतश्री कमलेशमुनि से चातुर्मास हेतु किया निवेदन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। ताम्बरम जैन स्थानक में विराजित श्रमण संघीय मंत्री राष्ट्रसंत श्री कमल मुनि कमलेश के दर्शन वंदन हेतु एवं वर्ष 2026 के चातुर्मासार्थ निवेदन लेकर एसएस जैन संघ पैरम्बूर के अध्यक्ष चेतन पटवा, उपाध्यक्ष मोतीलाल मालू, मंत्री गौतम सकलेचा, कोषाध्यक्ष अजीत पटवा, कार्यकारिणी सदस्य विजय तातेड़, रूपराज कोठारी, संजय मेहता, सुरेंद्र ललवानी, धर्मीचंद तालेड़ा आदि श्रावकगण उपस्थित हुए। अमोलकचंद किशनलाल बरमेचा जैन स्थानक पेरुम्बर के लिए चातुर्मास का निवेदन किया।

संतश्री ने आश्वासन देते हुए कहा कि सही समय पर चातुर्मास की घोषणा की जाएगी।

जयगोपाल गारोड़िया विवेकानंद विद्यालय में किंडरगार्डन स्पोर्टस डे मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के जयगोपाल गारोड़िया विवेकानंद विद्यालय में किंडरगार्डन स्पोर्टस डे का आयोजन गुरुवार को किया गया। इस मौके पर दयासदन अग्रवाल विद्यालय की प्राचार्य बी लता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। मशाल जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। प्राचार्य एम उमा ने कार्यक्रम की शुरुआत की घोषणा की। कार्यक्रम में प्रीकेजी, एलकेजी व यूकेजी के 302 विद्यार्थियों ने भाग स्पोर्टस डे में विद्यार्थियों द्वारा की गई मार्च पास्ट मुख्य आकर्षण का केन्द्र रही। लिया तथा विभिन्न खेलों में भाग लिया कार्यक्रम के अंत में पुरस्कारों का वितरण किया गया। शैक्षणिक निदेशक जी. विजयकुमार, बुक बैंक के संयोजक केएस केशवन आदि अन्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम में सभी विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किए गए।

विकास कार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के गांधीनगर से विधायक दिनेश गुंडूराव ने चिकपेट-सुलतानपेट क्षेत्र में निर्माणाधीन सड़क के विकास कार्यों का अवलोकन किया तथा निर्माण कार्य की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। विधायक ने स्थानीय व्यापारियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुना और समाधान का आश्वासन दिया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.